प्रसारित - आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

साप्ताहिक

मोर्निंग सिटी

सच के साथ...

वर्ष - 11, अंक - 34 , 01 नवम्बर से 07 नवम्बर, 2026 | मूल्य- 10 रुपये । पृष्ठ 8 | WWW :morningcity.in

यूपी का सर्वश्रेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म

मोर्निंग सिटी



छुपाकर रखे 21 लाख रुपए निकालने पहुंचे तीन सरेंडर नक्सली गिरफ्तार

मैनपुर

गरियाबंद जिले के मैनपुर क्षेत्र के कुल्हाड़ीघाट के राजाडेरा जंगल में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 21 लाख रुपए के डंप को निकालने पहुंचे दो महिला आत्मसमर्पित नक्सलियों और उनके एक स्थानीय सहयोगी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। खास बात यह है कि यह वही कुल्हाड़ीघाट और राजाडेरा का इलाका है, जहां कभी खूंखार नक्सली नेताओं का साम्राज्य हुआ करता था और पुलिस के सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में दुर्दांत नक्सली लीडर जयराम उर्फ चलपति को ढेर किया था। मैनपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध लोग कुल्हाड़ीघाट राजाडेरा जंगल में जमीन के नीचे दबाकर रखे गए नक्सलियों के गुप्त फंड को निकालने पहुंचे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए इलाके की चारों तरफ से नाकेबंदी और घेराबंदी की। इसी दौरान जंगल से एक भारी बैग लेकर लौट रहे तीन संदिग्ध पुलिस को देखकर छिपने का प्रयास करने लगे। पुलिस टीम ने तुरंत मुस्तैदी दिखाते हुए तीनों को दबोच लिया। आरोपियों के पास से एक काले रंग का बैग मिला, जिसके अंदर टिफिन पैक में 500-500 रुपए के नोटों के बंडल रखे हुए थे। गवाहों के समक्ष गिनती करने पर कुल 21 लाख रुपए नकद बरामद किए गए। इसके अलावा उनके पास से तीन मोबाइल फोन और एक टीवीएस मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है।

जहां ढेर हुआ था चलपति, उसी राजाडेरा जंगल में था गुप्त खजाना





गंभीर धाराओं में मामला दर्ज

पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(2), 61(2) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धारा 17, 18, 20, 38 और 40 के तहत मामला दर्ज किया है।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान

पुलिस हिरासत में आए आरोपियों में चलपति की गार्ड रही सिंगे उर्फ रोशनी (25 वर्ष) निवासी लामकुनार, जिला सुकमा। एटेगट्टा, जिला सुकमा की कुट्टरी मुचाकी उर्फ बुदरी उर्फ सोनी (35 वर्ष) सीनापाली दलम की पूर्व कमांडर और स्थानीय सहयोगी लोहर मरकाम (36 वर्ष) निवासी मुलकोड़ा, थाना मैनपुर, जिला गरियाबंद के रूप में पहचान हुई है।

ठेकेदारों और आम लोगों से की गई थी अवैध वसूली

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि बरामद 21 लाख रुपए नक्सलियों द्वारा ठेकेदारों और आम लोगों को डरा-धमकाकर अवैध वसूली के जरिए जुटाए गए थे। 2024 में खूंखार नक्सली कमांडर चलपति ने इस बड़ी रकम को राजाडेरा जंगल में पहाड़ी के पास जमीन के अंदर छिपाकर रखा था। पुलिस के अनुसार, दोनों महिला आरोपियों ने पहले शासन की पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण कर दिया था और सुकमा पुनर्वास कैंप में रह रही थीं। कैंप में रहने के दौरान ही उन्होंने अपने पुराने साथी लोहर मरकाम से संपर्क किया और जंगल में छिपाकर रखे गए इस खजाने को निकालकर एक बार फिर नक्सली संगठन की गतिविधियों को आर्थिक मजबूती देने की योजना बनाई थी। हालांकि, पुलिस की सतर्कता से इनकी यह साजिश नाकाम हो गई।

नेतृत्व को गुमराह करने और संगठन के कामकाज में हस्तक्षेप का आरोप

गुप्त बैठक कर प्लान तैयार, 4 दिन पहले हुए मंत्रिमंडल विस्तार से नाराज

खतरे में अब्दुल्ला की कुर्सी? 24 विधायकों ने कर दी बगावत

एजेंसी ▸▸ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद असंतोष के संकेत मिले हैं। पार्टी के 24 विधायक मुख्यमंत्री के खिलाफ एकजुट हो गए हैं।

18 विधायकों ने शुक्रवार को श्रीनगर में लोलाब विधायक कैसर जमशेद लोन के घर बैठक की, जबकि 6 विधायक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। विधायकों ने मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगामी और 27 अक्टूबर को कैबिनेट विस्तार में बने 4 नए मंत्रियों को हटाने की मांग की। इसके साथ वे मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की मांग कर रहे हैं। सोगामी पर पार्टी नेतृत्व को गुमराह करने और संगठन के कामकाज में हस्तक्षेप करने का आरोप है।

जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद असंतोष के संकेत मिले हैं। पार्टी के 24 विधायक मुख्यमंत्री के खिलाफ एकजुट हो गए हैं। विधायकों ने मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगामी और 27 अक्टूबर को कैबिनेट विस्तार में बने 4 नए मंत्रियों को हटाने की मांग की। इसके साथ वे मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की मांग कर रहे हैं।



एनसी के हैं 41 विधायक

आपको बता दें कि 90 विधायकों वाली विधानसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस के 41 विधायक हैं। उमर अब्दुल्ला को कांग्रेस के छह विधायकों का समर्थन है। वहीं, कुछ छोटी पार्टियों और निर्दलीय विधायकों ने भी सरकार बनाने में साथ दिया है। ऐसे में अगर 24 विधायकों का बगावत शांत नहीं हुआ तो उमर अब्दुल्ला की सरकार खतरे में आ सकती है। विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव की मांग तक कर सकता है।

यह भी कहा विधायकों ने

बैठक में शामिल विधायकों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने पार्टी नहीं छोड़ने की शपथ भी ली। हालांकि, कुछ लोगों पर पार्टी के आंतरिक कामकाज को कमजोर करने का आरोप लगाया। दूसरी ओर, सुरेंज विधायक नजीर अहमद गुरेजी ने बैठक को सामान्य मुलाकात बताया। उन्होंने कहा कि कैसर जमशेद लोन ने दोपहर के भोजन पर बुलाया था और इसे राजनीतिक बैठक नहीं माना जाना चाहिए।

कई दावेदारों को नहीं मिली जगह

27 अक्टूबर के कैबिनेट विस्तार में नेशनल कॉन्फ्रेंस के 4 विधायक अली मोहम्मद सागर, मीर सैफुल्लाह, शमीमा फिरदौस और अल्ताफ अहमद कल्लू मंत्री बनाए गए। वहीं, निर्दलीय विधायक सतीश शर्मा को मंत्रिमंडल से हटा दिया गया था। इस विस्तार में कई ऐसे वरिष्ठ विधायक मंत्री नहीं बन सके, जिनके नाम की चर्चा थी। इनमें नजीर अहमद गुरेजी और मुबारक गुल भी शामिल हैं। मुबारक गुल को बाद में फारूक अब्दुल्ला ने अली मोहम्मद सागर की जगह पार्टी का महासचिव नियुक्त किया।

यह है बागी विधायकों की मांगें

नेशन कॉन्फ्रेंस के सभी 24 बागी विधायक मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के सलाहकार नासिर असलम वानी को हटाने की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा, उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र चौधरी को हटाया जाए, जिन मंत्रियों ने अपने पद पर दो साल पूरे कर लिए हैं उन्हें हटाया जाए और मंत्रिपरिषद का पूरी तरह से पुनर्गठन किया जाए। विधायकों के साथ-साथ नेशनल कॉन्फ्रेंस के श्रीनगर से सांसद आगा रुहुल्लाह ने भी घोषणा की है कि वे अपनी संसदीय सीट और पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे देंगे। अब्दुल्ला के साथ रहुल्लाह के संबंध लंबे समय से तनावपूर्ण रहे हैं। अब उन्होंने पार्टी से अलग होकर अपना अलग रास्ता चुनने का फैसला किया है।

'अगले 30 साल तक यूपी से भाजपा जाएगी नहीं सपा आएगी नहीं', डिप्टी सीएम केशव का अखिलेश पर पलटवार

लखनऊ

यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अगले 30 साल तक यूपी से भाजपा जाएगी नहीं और सपा आएगी नहीं। उन्होंने कहा कि 2012 से 2017 तक प्रदेश की जनता ने सपा सरकार में गुंडागर्दी देखी है और इसकी स्वयं समीक्षा की है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव सत्ता में आने से सपने देखना बंद कर दें। भाजपा यूपी में अंगद के पांव की तरह जम गई है। अब सपा नहीं आने वाली। उन्होंने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड बहुमत से यूपी में सरकार बनने वाली है। लखनऊ स्थित भाजपा मुख्यालय में शनिवार को बैठक का आयोजन किया गया जिसमें भाजपा के सभी पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में 2027 चुनाव को लेकर रणनीति पर मंथन किया गया। इसके पहले, शुक्रवार को गृहमंत्री अमित शाह लखनऊ के दौरे पर थे। जहां उन्होंने चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की और भाजपा कार्यकताओं में जोश भरा। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में यूपी माफिया मुक्त हो चुका है अब प्रदेश की जनता खुद को सुरक्षित महसूस करती है। उन्होंने कहा कि अब भाजपा यूपी में अंगद के पैर की तरह हो चुकी है। अब इसे कोई हटा नहीं सकता है। उन्होंने वादा किया कि 2027 में फिर से प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी तो समान नागरिक संहिता राज्य में लागू की जाएगी।

वोटर लिस्ट में गड़बड़ी, कंप्यूटर असिस्टेंट्स का ईसीआईनेट एक्सेस किया गया खत्म

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर के ऑफिस ने सभी जिला चुनाव अधिकारी को राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में तैनात 806 कंप्यूटर असिस्टेंट की ईसीआईनेट लॉगिन आईडी तुरंत डीएक्टिवेट करने का निर्देश दिया है। इस कदम का मकसद वोटर रोल के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के बाद पीलीभीत और आजमगढ़ जैसे जिलों में फोटॉल पर लॉगिन क्रेडेंशियल के गलत इस्तेमाल की शिकायतों के बाद वोटर रोल मैनेजमेंट में सिक्योरिटी और अकाउंटेबिलिटी को टाइट करना है।

यूपी में 'फर्जीवाड़े' के बाद एक्शन में आया चुनाव आयोग

वापस लिया जा रहा है एक्सेस

हर विधानसभा सीट पर दो कंप्यूटर असिस्टेंट हैं, जो कि इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ईआरओ) के ऑफिस में वोटर रजिस्ट्रेशन सेटर पर ऑपरेटर के तौर पर काम करते हैं। ईसीआईनेट पोर्टल पर उनका एक्सेस अब वापस लिया जा रहा है ताकि यह पक्का किया जा सके कि वोटर से जुड़ी एंट्री सीधे तौर पर उनके लिए जिम्मेदार अधिकारी ही करें।

बैंगलुरु की घटना

5-स्टार होटल के स्वीमिंग पूल में करंट, 2 विदेशियों की मौत

एजेंसी ▸▸ बेंगलुरु

कर्नाटक के बेंगलुरु शहर में फाइव-स्टार होटल में स्विमिंग पूल में करंट लगने से 2 विदेशी नागरिकों की मौत हो गई है। यह घटना शहर के फाइव-स्टार कॉनराड होटल में हुई। पीड़ितों की पहचान जर्मन और स्लोवाकियाई नागरिकों के रूप में हुई है, जो होटल में ठहरे हुए थे। दोनों मृतकों के अलावा उन्हें बचाने की कोशिश में 2 और लोग घायल हो गए हैं। आरोप लगाया गया है कि दोनों मौतें कॉनराड होटल मैनेजमेंट की तरफ से स्विमिंग पूल के रखरखाव में लापरवाही बरतने के कारण हुई। घटना पर होटल मैनेजमेंट की तरफ से अभी तक कोई कमेंट नहीं आया है।



एक कमरे का किराया 25 हजार प्रतिरात

कॉनराड एक लग्जरी 24-मंजिला फाइव-स्टार होटल है, जो हिल्टन ग्रुप का हिस्सा है। इस घटना ने होटल की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जहां एक स्टैंडर्ड कमरे में रहने का खर्च कम से कम 25000 प्रति रात है, वहां ऐसी घटना चौंकाने वाली है। मृतक की पहचान जर्मन नागरिक अलेक्जेंडर मैक्सिमिलियन थीस (57) के तौर पर हुई है, जो लुफ्थांसा एयरलाइंस में डतौर क्रू मेंबर काम करता था। दूसरे की पहचान स्लोवाकिया के नागरिक जुराज होर्वत (45) के रूप में हुई है, जो आईबीएम में प्रोजेक्ट मैनेजर था।

आंध्र प्रदेश में सनसनीखेज वारदात

स्कूल में घुसकर छात्रा पर आरी से हमला, काट दिया गला

एजेंसी ▸▸ अनंतपुर (आंध्र प्रदेश)

आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है।

यहां रापताडु में स्कूल परिसर के अंदर 10वीं कक्षा की एक छात्रा पर लकड़ी काटने वाली आरी से जानलेवा हमला किया गया। वारदात के दौरान स्कूल में छात्र और शिक्षक मौजूद थे। दिनदहाड़े स्कूल के अंदर हुई इस घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। फिलहाल मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जानकारी में हमले के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। जानकारी के मुताबिक घटना स्कूल के समय की है। आरोप है कि एक व्यक्ति स्कूल परिसर में घुस आया और छात्रा पर अचानक आरी से हमला कर दिया। हमले में छात्रा का गला काट गया, फिलहाल उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमलावर ने उसके चेहरे और सिर पर भी गंभीर वार किए। हमले के बाद छात्रा खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ी।

स्कूल परिसर में हमले से मची अफरा-तफरी

स्कूल के अंदर इस तरह की हिंसक वारदात से छात्रों और स्कूल स्टाफ के बीच अफरा-तफरी मच गई। गंभीर रूप से घायल छात्रा को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। छात्रा की हालत को लेकर फिलहाल विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमले में छात्रा का दायां हाथ कट गया और चेहरे, गर्दन और कान पर गंभीर चोटें आईं। उसे बचाने पहुंची दूसरी छात्रा भी घायल हो गई।

मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश एवं रेल मंत्री ने वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का शुभारम्भ किया

वाराणसी। मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा बनारस रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन, वाराणसी सिटी-राजातालाब के मध्य ट्रेन सेवा एवं प्रयागराज रामबाग-बनारस ट्रेन सेवा का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया।

इसके पूर्व, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का निरीक्षण किया। इस दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्रेन में बच्चों, यात्रियों एवं रेल कर्मचारियों तथा लोको पायलटों से संवाद किया। उन्होंने रेल कर्मचारियों से सदैव सद्भावपूर्ण व्यवहार करने तथा ट्रेन में स्वच्छता के मानक को बनाये रखने का आह्वान किया और लोको पायलटों का उत्साहवर्धन किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरदार बल्लभ भाई पटेल जी जयंती पर उनको नमन करते हुए कहा कि आज माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में देश एवं भारतीय रेल आगे बढ़ रहा है। भारतीय रेल देश को उत्तर से दक्षिण एवं पूर्व से पश्चिम तक सम्पूर्ण भारत को एकता के सूत्र में पिरो कर स्वतंत्रता सेनानियों एवं राष्ट्र नायकों के सपनों को साकार कर रही रही है। उन्होंने कहा कि आम भारतीय की सवारी भारतीय रेल को आधुनिक स्वरूप दिया है। प्रदेश में पहले आधा मीटर गेज आधा ब्रॉड गेज होता था, आज उत्तर प्रदेश के अंदर सभी लाइनें ब्रॉड गेज की है और विद्युतीकृत हैं। उन्होंने कहा की काशी से दिल्ली जाने में 13 से 14 घंटे पहले लगते थे, आज वंदे भारत स्लीपर से यह दूरी 8 से 9 घंटे में पूरी होगी। पहली वंदे भारत नई दिल्ली से वाराणसी के लिए चलाई गयी थी, और उसमें चेयर कार की सुविधा है और आज से चली जा रही वंदे भारत स्लीपर से आपकी यात्रा काफी सुखद होगी। यात्री काशी से रात्रि में चलकर सुबह दिल्ली तथा दिल्ली से रात्रि में चलकर सुबह काशी पहुचेंगे। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन देश की आध्यात्मिक राजधानी को देश की राजधानी से जोड़ेगी।



माननीय मुख्यमंत्री ने कहा कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट में रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका है। वाराणसी सिटी से राजातालाब तक यात्रियों की सुविधा के लिए मेमू ट्रेन का संचलन किया जा रहा है। 95 रुपए में इससे महीने भर में यात्रा होगी। आज से बनारस से प्रयागराज के लिए मेमू ट्रेन का शुभारम्भ किया जा रहा है, इसका महीने भर का किराया मात्र 220 रुपया है। यह काफी आकर्षक और सुविधाजनक है। अधिवक्ताओं, व्यावसायियों, किसानों, छात्रों, महिलाओं के लिए यह एक अच्छी सुविधा है। भारतीय रेल आज तेजी से मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ आगे बढ़ा है। पहले अनारक्षित समपार भारतीय रेल की चुनौती थी, दुर्घटनाओं में सैकड़ों की मात्रा में जनहानि होती थी। आज रोड ओवर ब्रिज या अंडर पास की सुविधा है। यह रेलवे का जनता के प्रति रेलवे के संवेदनशीलता का उदाहरण है। प्रदेश वासियों के लिए गौरव की बात है की फ्रेट कॉरिडोर का एक हजार किलोमीटर से अधिक हिस्सा उत्तर प्रदेश में है। इसके लिए अलग लाइन बनाई गयी है, और माल जल्दी और सुरक्षित पहुंचता है। दिल्ली से काशी के बीच हाई स्पीड कॉरिडोर बनने से साढ़े तीन घंटे में यह दूरी तय होगी। श्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि काशी, वाराणसी, बनारस सहित प्रदेश में 157 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। स्टेशनों को आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है, फसाड में स्थानीय संस्कृति दिखाई पड़ रही है। स्टेशनों पर स्वच्छता काफी बढ़ी है। आज रेलवे पटरियां, रेलवे स्टेशन एवं ट्रेनें काफी स्वच्छ है। इन नयी ट्रेन सेवाओं के लिए उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज बनारस से वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के साथ 10 मेमू ट्रेनों का संचलन प्रारंभ हो रहा है। वाराणसी सिटी-राजातालाब के मध्य 08 मेमू ट्रेन अपने यात्रा मार्ग में वाराणसी, बनारस, भुलनपुर, हरदत्तपुर स्टेशनों पर रुकेगी। इस गाड़ी से वाराणसी सिटी से राजातालाब तक एम. एस. टी. का किराया 95 रुपया है। दो मेमू ट्रेन जो की बनारस से प्रयागराज को जोड़ेगी, जिससे छात्रों, किसानों, व्यावसायियों को काफी सुविधा होगी। यह मेमू सेवा अपने मार्ग में राजातालाब, माधोसिंह, ज्ञानपुर रोड, हंडिया खास और झूसी स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन से छात्रों के लिए बनारस से प्रयागराज तक का एक महीने का किराया 220 रुपया है। वैष्णव ने कहा कि वंदे भारत स्लीपर में यात्रियों के साथ साथ इसमें काम करने वाले कर्मचारियों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। रेलवे पर प्रधानमंत्री जी की विशेष दृष्टि रहती है। इस ट्रेन में मध्य एवं उपर के बर्थों पर चढ़ने के लिए नये तरीके की सीढ़ियाँ लगायी गयी है। यह ट्रेन न केवल वाराणसी बल्कि पूरे पूर्वांचल के लिए बड़ी सौगात होगी। यह गाड़ी का समयसारणी इस प्रकार का है कि रात में वाराणसी से चलकर सुबह दिल्ली पहुंचे और दिल्ली से रात्रि में चलकर सुबह वाराणसी पहुंचे। देश की पहली वंदे भारत स्लीपर जो कोलकाता से गुवाहाटी के बीच चलती है, वह जनता में काफी लोकप्रिय हुयी है। आलोचकों ने भी काफी इस गाड़ी की काफी प्रशंसा की है।

रेल मंत्री ने कहा कि सरकार ने बुलेट ट्रेन के नार्थ कॉरिडोर की स्वीकृति प्रदान की है। यह कॉरिडोर दिल्ली से आगरा, कानपुर, लखनऊ, अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज, पटना होते हुए गुवाहाटी जाएगी। इस परियोजना के पूरा होने पर समय की बचत काफी होगी। दिल्ली से वाराणसी की दूरी साढ़े तीन घंटे में पूरी होगी। यह बुलेट परियोजना पूर्णतः स्वदेशी होगी। पिछले 12 वर्षों में भारतीय रेल में अभूतपूर्व बदलाव हुये हैं। इसका प्रमुख कारण रेलवे के लिये पर्याप्त धनराशि का आवंटन है।

वंदे भारत स्लीपर में यात्रियों के साथ ही इसमें काम करने वाले कर्मचारियों के लिए विशेष सुविधा : रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

बनारस में 10 मेमू ट्रेनों का संचलन प्रारंभ

सरदार पटेल जयंती : सीएम योगी बोले- मिलकर करना होगा जातिवाद और जिन्नावाद का मुकाबला

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लौहपुरुष की जयंती पर समाज को बांटने वाली ताकतों पर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता को तब खतरा होता है, जब हम जाति, क्षेत्र के नाम पर बंटते और कमजोर होते हैं। जब शरीर की प्रतिरोधक क्षमता समाप्त हो जाती है, तब बीमारी होती है। जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद वही बीमारी है, जो समाज की प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करती हैं और फिर आक्रांताओं को हमला करने के लिए आमंत्रित करती हैं। लौहपुरुष का अनुयायी वही हो सकता है जो भारत की एकता, सुरक्षा को सर्वोपरि रखता है। जिन्ना को आदर्श मानने, समाज को बांटने वाले विभाजनकारी लोग वल्लभ भाई पटेल के सच्चे अनुयायी नहीं हो सकते। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लौहपुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की 151वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में लिया हिस्सा लिया। उन्होंने जीपीओ स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर राष्ट्रीय एकता दिवस पर लोगों को शपथ दिलाई। सीएम ने कहा कि यह शपथ सरदार पटेल की उस भावना का प्रतिनिधित्व करता है, जिसके लिए उन्होंने जीवन जिया। मुख्यमंत्री ने सरदार वल्लभ भाई पटेल को भारत गणराज्य का शिल्पी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रखर राष्ट्रवादी नेतृत्वकर्ता बताया। मुख्यमंत्री ने कहाकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर 2014 के बाद से 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में अनवरत आयोजित किया जाता है। इसमें राष्ट्रीय एकता की शपथ, राष्ट्रीय एकता दौड़ समेत लौहपुरुष के आदर्शों को ध्यान में रखते हुए रचनात्मक कार्यों के साथ समाज को जोड़ने का अभियान बढ़ाया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहाकि इस वर्ष लौहपुरुष की 151वीं जयंती है। गत वर्ष उनकी पावन जयंती के 150 वर्ष पूर्ण होने पर डबल इंजन सरकार ने अनेक कार्यक्रम आयोजित किए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार द्वारा लौहपुरुष सरदार पटेल की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के लिए आज हर जनपद में एक इंप्लायमेंट व इंडस्ट्रियल जोन के गठन की कार्रवाई का भी शुभारंभ कर रही है।

सम्पादकीय

हिंसा रोकने की शर्त या असहमति पर अंकुश, लोकतंत्र की असली कसौटी

उत्तर प्रदेश सरकार ने अलग-अलग विभागों और स्थानीय निकायों में सीधी भर्ती से चुने जाने वाले अभ्यर्थियों के चरित्र प्रमाणपत्र से जुड़े नियमों में एक अहम बदलाव किया है। इसके तहत यह कहा गया है कि राज्य में व्यवस्था परिवर्तन के उद्देश्य से अगर कोई युवा सड़क पर उतरकर हिंसा करता है, तो उसे सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। इसमें कोई दोराय नहीं कि एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में हिंसक गतिविधियों के लिए जगह नहीं होनी चाहिए। इसलिए अगर सरकार हिंसा की प्रवृत्ति को हतोत्साहित करने के उद्देश्य से कोई पहल कर रही है, तो इसका आशय समझा जाना चाहिए। मगर इसके समांतर यह प्रश्न भी अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है कि हिंसा को न पनपने देने के सरकार के कदम अप्रत्यक्ष रूप से लोकतांत्रिक स्वरों को बाधित तो नहीं करेंगे! गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने अलग-अलग विभागों और स्थानीय निकायों में सीधी भर्ती से चुने जाने वाले अभ्यर्थियों के चरित्र प्रमाणपत्र से जुड़े नियमों में एक अहम बदलाव किया है। इसके तहत यह कहा गया है कि राज्य में व्यवस्था परिवर्तन के उद्देश्य से अगर कोई युवा सड़क पर उतरकर हिंसा करता है, तो उसे सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। नए नियमों के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति ऐसे संगठन का सदस्य है, जिसका मकसद हिंसा के जरिए समाज की व्यवस्था बदलना है, तो उसे भी अयोग्य माना जाएगा। हालांकि, यह भी कहा गया है कि किसी व्यक्ति को सिर्फ उसकी राजनीतिक विचारधारा के आधार पर अपात्र घोषित नहीं किया जाएगा। पिछले कुछ समय से दुनिया के कई देशों में सरकार के खिलाफ आम लोगों के प्रदर्शनों का जैसा स्वरूप देखा गया, उसमें जैसी हिंसा और अराजकता देखी गई, उसे विरोध का लोकतांत्रिक तरीका नहीं कहा जा सकता। ऐसे प्रदर्शनों से निपटना एक बड़ी चुनौती हो जाती है। मगर यह जरूरी नहीं है कि भारत में भी सरकार से असहमति जाहिर करने के लिए यहां के युवा वही तरीका अपनाएं। आमतौर पर हमारा देश लोकतांत्रिक परंपराओं में विश्वास रखता है और इसी के अनुरूप सरकार के समर्थन या विरोध में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी राय अभिव्यक्त करता है। ऐसे में हिंसा के विरुद्ध किसी राज्य सरकार की ओर से अलग से नए नियमों की घोषणा की जरूरत का संदर्भ समझना मुश्किल है। हालांकि, उत्तर प्रदेश सरकार का कहना है कि हिंसा में स्पष्ट भागीदारी की अंतिम पुष्टि होने तक किसी को नौकरी के अवसर से वंचित नहीं किया जाएगा, लेकिन सवाल यह है कि इस मामले में सरकार के नए नियमों की व्याख्या कौन करेगा। आम जनता के आंदोलन में हिंसा की परिभाषा किस आधार पर तय की जाएगी और यह कैसे सुनिश्चित होगा कि विरोध के किसी स्वरूप को सरकार हिंसक घोषित नहीं करेगी? यों यह कोई पहला मामला नहीं है कि हिंसा के आधार पर नौकरी से वंचित करने का नियम लागू करने की कोशिश की जा रही है। वर्ष 2021 में बिहार में भी एक आदेश में कहा गया था कि विरोध प्रदर्शन के दौरान हंगामा हुआ और उससे कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हुई, तो प्रदर्शन में शामिल लोगों को सरकारी नौकरी से वंचित होना पड़ेगा। तब इस संदर्भ में चरित्र प्रमाणपत्र निर्गत करने का भी निर्देश जारी हुआ था। सवाल है कि उत्तर प्रदेश में जारी नए नियमों का उद्देश्य वास्तव में विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने वाले आम लोगों या युवाओं को हिंसा से दूर रखना है या फिर इसके जरिए एक डर पैदा किया जाएगा, ताकि सरकार के खिलाफ असहमति के स्वर उभरने से पहले ही दब जाएं? जिस दौर में बेरोजगारी पहले ही देश के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में एक है, उसमें ऐसी शर्तों का वास्तविक असर क्या होगा? लोकतंत्र में हिंसा की जगह नहीं हो सकती।



सुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

मुट्ठी भर अमीरों की कीमत चुका रही हैं पूरी दुनिया

दुनिया आज एक ऐसे विरोधाभास के दौर से गुजर रही है, जहां एक ओर विकास, समृद्धि और आधुनिकता के नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गरीबी, भुखमरी, हिंसा, विस्थापन और पर्यावरणीय विनाश की चुनौतियां लगातार विकराल होती जा रही हैं। प्रश्न यह है कि जब दुनिया के पास पर्याप्त संसाधन हैं, विज्ञान और तकनीक ने अभूतपूर्व प्रगति की है, तब भी करोड़ों लोग जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष क्यों कर रहे हैं? अंतरराष्ट्रीय संस्था ऑक्सफैम की रिपोर्ट डिजास्टर डिवाइड इसी प्रश्न का एक असहज, किंतु विचारोत्तेजक उत्तर प्रस्तुत करती है। यह रिपोर्ट बताती है कि जलवायु संकट केवल प्रकृति की नाराजगी नहीं, बल्कि आर्थिक असमानता, अनियंत्रित उपभोग और संसाधनों पर मुट्ठी भर लोगों के बढ़ते नियंत्रण का परिणाम भी है। दुनिया की लगभग 80 लाख आबादी वाले सबसे धनी 0.1 प्रतिशत वर्ग की जीवनशैली और निवेश से होने वाला कार्बन उत्सर्जन करोड़ों नहीं, अरबों लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, यह वर्ग दुनिया के सबसे गरीब 44 प्रतिशत लोगों की तुलना में अधिक कार्बन प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है। यह असमानता केवल आंकड़ों का अंतर नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनहीनता का ऐसा दस्तावेज है, जिसमें कुछ लोगों की विलासिता की कीमत पूरी मानवता चुका रही है।



ललित गर्ग





निजी विमान, विशाल नौकाएं, अत्यधिक ऊर्जा खपत और प्रदूषणकारी उद्योगों में निवेश आधुनिक अमीरी के प्रतीक बन गए हैं, जबकि दूसरी ओर गरीब आबादी स्वच्छ हवा, सुरक्षित पानी और दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रही है। सवाल यह नहीं कि किसी व्यक्ति के पास कितनी संपत्ति है, बल्कि यह है कि उसकी संपन्नता का सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्य कौन चुका रहा है।

इस संकट का सबसे भयावह पक्ष यह है कि जलवायु आपदाएं भी अमीर और गरीब के बीच भेदभाव करने लगी हैं। बाढ़ एक ही समय में अमीर की आलीशान कोठी और गरीब की झोपड़ी तक पहुंचती है, लेकिन दोनों के परिणाम अलग होते हैं। अमीर सुरक्षित स्थानों पर चले जाते हैं, बीमा और आधुनिक सुविधाओं से नुकसान की भरपाई कर लेते हैं, जबकि गरीब अपना घर, खेत, पशुधन और आजीविका गंवाकर वर्षों पीछे चला जाता है। ऑक्सफैम के अनुसार, अधिक आर्थिक असमानता वाले देशों में बाढ़ से होने वाली मौतें सात गुना तक अधिक होती हैं। इतना ही नहीं, रिपोर्ट बताती है कि दुनिया के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों का उत्सर्जन भविष्य में लगभग 19 लाख अतिरिक्त गर्मी-संबंधी मौतों का कारण बन सकता है। इनमें 78 प्रतिशत मौतें निम्न एवं निम्न-मध्यम आय वाले देशों में होने का अनुमान है। आर्थिक असमानता का यह अंतर केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है। जब समाज में संसाधनों, अवसरों और अधिकारों का वितरण अन्यायपूर्ण हो जाता है, तब असंतोष जन्म लेता है। बेरोजगारी, महंगाई, खाद्य संकट, जल संकट और विस्थापन सामाजिक तनाव को बढ़ाते हैं। धीरे-धीरे यही तनाव आक्रोश, विद्रोह, अपराध, सामुदायिक संघर्ष और हिंसा का रूप ले सकता है। यह कहना उचित नहीं होगा कि प्रत्येक हिंसा के पीछे केवल अमीरी-गरीबी का अंतर है, लेकिन जब विकास का लाभ सीमित हाथों में सिमटता है और संकट का बोझ बहुसंख्यक आबादी पर पड़ता है, तब सामाजिक शांति की नींव कमजोर होना स्वाभाविक है। विडंबना यह है कि कुछ बड़े निवेशक पहले प्रदूषणकारी उद्योगों से मुनाफा कमाते हैं और फिर उन्हीं आपदाओं से निपटने, सफाई तथा पुनर्निर्माण के कारोबार में लाभ अर्जित करते हैं। ऑक्सफैम का डिस्ट्रॉय एंड रीबिल्ड इंडेक्स 217 कंपनियों के माध्यम से इसी दोहरे मुनाफे की पड़ताल करता है। यह सचमुच ऐसी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न है, जहां किसी के लिए आपदा भी अवसर बन जाती है और किसी के लिए जीवनभर का अभिशाप।

भारत के संदर्भ में यह चेतावनी और भी गंभीर है। भारत की विशाल आबादी का बड़ा हिस्सा कृषि, निर्माण, छोटे व्यवसायों और असंगठित क्षेत्र पर निर्भर है। किसान अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और तापमान वृद्धि से जूझ रहा है। मजदूर भीषण गर्मी में काम करने को विवश है और महानगरों की झुग्गी-बस्तियों में रहने वाले परिवार जलभराव तथा गर्मी की दोहरी मार झेल रहे हैं। विश्व बैंक के अनुसार, भारत की 80 प्रतिशत से अधिक आबादी ऐसे जिलों में रहती है जो जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न आपदाओं के जोखिम में हैं। वहीं, देश के 57 प्रतिशत जिलों में रहने वाली लगभग 76 प्रतिशत आबादी अत्यधिक गर्मी के उच्च या बहुत उच्च जोखिम का सामना कर रही है। भारत के लिए चुनौती केवल आर्थिक विकास की गति बढ़ाना नहीं, बल्कि विकास को न्यायपूर्ण, समावेशी और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है।

विकसित भारत 2047 का स्वप्न तभी सार्थक होगा, जब विकास की चमक अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन तक पहुंचे। यदि एक ओर महानगरों में विलासिता और उपभोग के नए कीर्तिमान बनें और दूसरी ओर गांवों में किसान पानी, बिजली और आजीविका के लिए संघर्ष करता रहे, तो विकास की तस्वीर अधूरी ही रहेगी। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत को दुनिया के सामने यह उदाहरण प्रस्तुत करना होगा कि आर्थिक समृद्धि और प्रकृति के संरक्षण के बीच संतुलन संभव है। इसके लिए कुछ बुनियादी प्राथमिकताएं आवश्यक हैं। संपन्न वर्ग और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की जवाबदेही तय हो, विलासितापूर्ण उपभोग पर उचित कर व्यवस्था बने, स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहन मिले और जल, जंगल तथा जमीन के संरक्षण को विकास की अनिवार्य शर्त बनाया जाए। साथ ही, जलवायु आपदाओं से प्रभावित किसानों, मजदूरों और कमजोर समुदायों के लिए सामाजिक सुरक्षा, बीमा, स्वास्थ्य सुविधाएं तथा पुनर्वास की प्रभावी व्यवस्था हो। विकास का लाभ केवल पूंजी के स्वामियों तक सीमित न रहे, बल्कि श्रम करने वाले हाथों तक भी पहुंचे।

भारत की सांस्कृतिक चेतना में सर्वे भवन्तु सुखिनः, वसुधैव कुटुम्बकम और अपरिग्रह जैसे जीवन-मूल्य सदियों से प्रतिष्ठित रहे हैं। महात्मा गांधी का सादा जीवन, उच्च विचार केवल व्यक्तिगत आचरण का संदेश नहीं, बल्कि संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व का दर्शन है। जैन दर्शन का अपरिग्रह भी यही सिखाता है कि आवश्यकता से अधिक संग्रह अंततः समाज में असंतुलन पैदा करता है। प्रकृति हमारी संपत्ति नहीं, आने वाली पीढ़ियों की धरोहर है। अंततः ऑक्सफैम की डिजास्टर डिवाइड रिपोर्ट दुनिया के सामने एक बुनियादी नैतिक प्रश्न खड़ा करती है-क्या विकास का अर्थ कुछ लोगों की असीमित समृद्धि और बहुसंख्यक मानवता की बढ़ती विवशता है? पृथ्वी किसी एक वर्ग की जागीर नहीं, न ही उसके संसाधनों पर किसी मुट्ठी भर लोगों का एकाधिकार हो सकता है। आज आवश्यकता अमीरी को अपराध मानने की नहीं, बल्कि अमीरी के साथ जवाबदेही जोड़ने की है। याद रखना होगा कि जब समाज में विषमता की खाई बहुत गहरी हो जाती है, तब असंतोष की आग सीमाओं में नहीं बंधती। धरती को बचाना है तो विकास की दिशा बदलनी होगी, समृद्धि को संवेदना से जोड़ना होगा और अर्थव्यवस्था को मानवता के प्रति जवाबदेह बनाना होगा। क्योंकि जिस विकास में प्रकृति सुरक्षित नहीं और मनुष्य सम्मानित नहीं, वह विकास नहीं, विनाश की प्रस्तावना है।

सुप्रीम कोर्ट का कड़ा रुख: क्या अब सुधरेंगे फ्रॉड पीड़ितों के हालात?

अशोक भाटिया



भारत में डिजिटल क्रांति ने जहाँ आम नागरिक के जीवन को सुगम बनाया है, वहीं इसने एक ऐसे अदृश्य और खौफनाक अपराध तंत्र को भी जन्म दे दिया है जिसने देश की पूरी बैंकिंग और सुरक्षा व्यवस्था के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। आज के दौर में साइबर फ्रॉड और विशेष रूप से 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी त्रासदियाँ किसी महामारी की तरह फैल चुकी हैं, जहाँ पलक झपकते ही किसी व्यक्ति की जीवनभर की गाढ़ी कमाई अपराधियों के खातों में चली जाती है। ऐसे माहौल में देश की सर्वोच्च अदालत, सुप्रीम कोर्ट का हालिया रुख न केवल डिजिटल और साइबर फ्रॉड के पीड़ितों के हक में एक ऐतिहासिक कदम है, बल्कि यह देश की बैंकिंग प्रणाली के लिए एक बेहद सख्त चेतावनी भी है। अदालत ने बहुत स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यदि बैंकों की लापरवाही या उनकी उचित सावधानी (ड्यू डिलिजेंस) में कमी के कारण कोई नागरिक ठगी का शिकार होता है, तो संबंधित बैंक को उस नुकसान की पूरी भरपाई करनी होगी। मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ का यह निर्देश इस मायने में क्रांतिकारी है क्योंकि यह पहली बार उपभोक्ताओं के नुकसान की सीधी जवाबदेही उन वित्तीय संस्थानों पर डालता है, जो सुरक्षा का दावा तो करते हैं लेकिन अपनी कमियों को छिपाने में लगे रहते हैं। अदालत द्वारा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को आगामी संशोधित 'केवाईसी गाइडलाइंस' में पीड़ितों को मुआवजा देने का प्रावधान अनिवार्य रूप से शामिल करने का आदेश देना एक ऐसा नीतिगत बदलाव है, जिसकी प्रतीक्षा लंबे समय से की जा रही थी। इस आदेश के तहत आरबीआई को तीस नवंबर दो हजार छब्बीस तक नए नियम अधिसूचित करने हैं, जो इकतीस दिसंबर दो हजार छब्बीस से देश भर में प्रभावी हो जाएंगे। अदालत का यह समयबद्ध दृष्टिकोण दर्शाता है कि न्यायपालिका इस संकट की गंभीरता को कितनी गहराई से महसूस कर रही है।

इस पूरे संकट का सबसे स्याह पहलू यह है कि अब तक साइबर अपराध के मामलों में पूरी व्यवस्था का दृष्टिकोण केवल पीड़ित को उपदेश देने या उसे जागरूक करने तक ही सीमित रहा है। सरकारें, पुलिस और बैंक अक्सर विज्ञापनों के माध्यम से यह कहकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं कि किसी को अपना ओटीपी या पासवर्ड न बताएं। परंतु, आज का साइबर अपराध केवल ओटीपी चोरी करने तक सीमित नहीं रह गया है। 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी नई और परिष्कृत तकनीकों में अपराधियों द्वारा कानून प्रवर्तन एजेंसियों का फर्जी रूप धरकर, पीड़ितों को मानसिक रूप से बंधक बना लिया जाता है और अत्यधिक मनोवैज्ञानिक दबाव में उनसे पैसे ऐंठे जाते हैं। ऐसे में साधारण नागरिक, चाहे वह कितना भी पढ़ा-लिखा क्यों न हो, भय और भ्रम के जाल में फंस जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस कड़वी सच्चाई को स्वीकार किया है कि इस साल देश में डिजिटल अरेस्ट और साइबर फ्रॉड के कारण जनता ने लगभग आठ सौ करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि गंवाई है। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं है, बल्कि यह उन हजारों परिवारों की मानसिक प्रताड़ना, आर्थिक तबाही और टूटे हुए सपनों की दास्तां है, जिन्होंने अपनी जमा-पूंजी को सुरक्षित मानकर बैंकों के हवाले किया था। जब कोई अपराधी किसी खाते से करोड़ों रुपये ट्रांसफर करने में सफल हो जाता है, तो यह केवल पीड़ित की सादगी नहीं, बल्कि उस बैंक के सुरक्षा चक्र की पूर्ण विफलता होती है। अदालत ने इसी बिंदु पर प्रहार करते हुए बैंकों को निर्देश दिया है कि यदि किसी खाताधारक के सामान्य व्यवहार या पुराने पैटर्न से अलग कोई 'असामान्य ट्रांजैक्शन' या संदिग्ध लेनदेन होता है, तो बैंक को उस पर तुरंत अस्थाई रोक लगानी होगी। यह एक ऐसा सुरक्षात्मक कदम है जो अगर पहले से मुस्तैदी से लागू होता, तो आज आठ सौ करोड़ रुपये का यह राष्ट्रीय नुकसान रोका जा सकता था। इस पूरे संगठित अपराध की रीढ़ की हड्डी 'म्यूल अकाउंट्स' यानी वे फर्जी बैंक खाते हैं, जिनका उपयोग साइबर ठग अपनी पहचान छिपाने और पैसे को अलग-अलग खातों में घुमाने के लिए करते हैं। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि बिना बैंकों के भीतर बैठे कुछ भ्रष्ट तत्वों की मिलीभगत या फिर बैंकों के ढीले रवैये के, हजारों की संख्या में फर्जी दस्तावेजों पर खाते खोलना और उनमें करोड़ों का लेन-देन होना संभव नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इन फर्जी खातों के जाल पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए साफ किया है कि बैंकों को अपने ग्राहक को जानो की प्रक्रिया को केवल एक कागजी औपचारिकता नहीं, बल्कि एक अभेद्य सुरक्षा कवच बनाना होगा। अब तक बैंक इन फर्जी खातों के जरिए होने वाले अपराधों से खुद को अलग कर लेते थे और सारा दोष पुलिस या पीड़ित पर मढ़ दिया करते थे। लेकिन इस नए आदेश के बाद जब लापरवाही साबित होने पर मुआवजा देना बैंकों के लिए कानूनी रूप से अनिवार्य हो जाएगा, तब वित्तीय संस्थानों को अपनी तकनीकी सुरक्षा और आंतरिक निगरानी तंत्र को दुरुस्त करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। जब बैंकों को यह समझ आएगा कि सुरक्षा में चूक की कीमत उनके अपने मुनाफे से कटेगी, तब वे संदिग्ध खातों पर नजर रखने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उन्नत सुरक्षा प्रणालियों में निवेश करने को तत्पर होंगे। इसके साथ ही, बैंकों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे किसी भी संदिग्ध डिजिटल अरेस्ट या वित्तीय धोखाधड़ी की गतिविधि की भनक लगते ही तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन को सूचित करें, जिससे वित्तीय सुरक्षा और कानून व्यवस्था के बीच एक मजबूत और त्वरित तालमेल स्थापित हो सके।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट का यह ऐतिहासिक आदेश जितना स्वागत योग्य है, इसे जमीन पर उतारने की राह में उतनी ही जटिल चुनौतियां भी खड़ी हैं। सबसे बड़ा कानूनी और व्यावहारिक संकट यह उठेगा कि 'बैंक की लापरवाही' और 'ग्राहक की गलती' के बीच की महीन रेखा को कौन और कैसे तय करेगा। बैंक निश्चित रूप से हर मामले में अपनी कानूनी टीमों के सहारे यह साबित करने की पुरजोर कोशिश करेंगे कि उपभोक्ता ने स्वयं अपनी संवेदनशील वित्तीय जानकारियां या क्रेडेंशियल्स साझा किए थे, और इसलिए बैंक मुआवजे के लिए कतई उत्तरदायी नहीं है। इसके अलावा, बैंकिंग लॉबी की ओर से इस बात को लेकर भी कानूनी प्रतिरोध देखने को मिल सकता है कि तकनीकी रूप से सुरक्षित प्रणालियों के बावजूद यदि कोई उपभोक्ता 'सोशल इंजीनियरिंग' या मनोवैज्ञानिक दबाव (जैसे डिजिटल अरेस्ट) का शिकार होता है, तो उसकी पूरी वित्तीय देनदारी बैंक पर कैसे थोपी जा सकती है।

कहानी

चंचल हिरण और बुद्धू खरगोश

एक घने और सुंदर जंगल में एक हिरण और एक खरगोश बहुत अच्छे दोस्त थे? हिरण का नाम चंचल था और खरगोश का नाम बुद्धू था? चंचल अपनी तेज चाल और खूबसूरती के लिए जाना जाता था, जबकि बुद्धू अपनी समझदारी और चतुराई के लिए? वे दोनों रोज सुबह उठकर जंगल में खूब खेलते, ताजी हरी घास खाते और एक-दूसरे के साथ बहुत खुश रहते थे? एक दिन, जब वे दोनों खेल रहे थे, तभी एक शिकारी ने चंचल हिरण को देख लिया? शिकारी ने सोचा कि यह हिरण तो बहुत सुंदर और बड़ा है, इसे पकड़ लेना चाहिए। शिकारी ने चुपके से चंचल के रास्ते में एक मजबूत जाल बिछा दिया? चंचल दौड़ते-दौड़ते ध्यान नहीं दे पाया और सीधे उस शिकारी के जाल में जाकर उलझ गया? वह जितना बाहर निकलने की कोशिश करता, जाल उतना ही कसता जाता। चंचल बहुत डर गया और घबराहट में जोर-जोर से चिल्लाने लगा। बुद्धू खरगोश ने जब अपने दोस्त चंचल की आवाज सुनी, तो वह दौड़ता हुआ वहां पहुँचा। उसने देखा कि उसका पक्का दोस्त जाल में फंसा हुआ है। बुद्धू घबराया नहीं, बल्कि उसने तुरंत अपनी अक्लमंदि का इस्तेमाल किया। उसने चंचल से कहा, "तुम बिल्कुल मत घबराओ और शांत लेटे रहो। जब तक मैं कुछ कहता नहीं, तुम अपनी आँखें बंद करके मरे होने का नाटक करना।" थोड़ी ही देर में शिकारी वहाँ आ गया। बुद्धू ने झाड़ियों के पीछे छिपकर आवाज निकाली। जैसे ही शिकारी ने जाल के पास आकर चंचल को देखा, उसे लगा कि हिरण मर चुका है। शिकारी ने मुस्कुराते हुए जाल ढीला किया और चंचल को निकालने के लिए आगे बढ़ा। ठीक उसी पल, बुद्धू ने जोर से आवाज निकाली और हिरण 'चंचल' ने अपनी आँखें खोलीं और छलांग लगाकर एक झटके में जाल तोड़ दिया। दोनों दोस्त तेज रफ़्तार से भागकर घने जंगल में गायब हो गए। शिकारी देखता ही रह गया। इस तरह बुद्धू की समझदारी से चंचल की जान बच गई और दोनों पहले से भी ज्यादा पक्के दोस्त बन गए?

लघुकथा

लोहा खा गया घुन



एक बार की बात है दो व्यक्ति थे, जिनका नाम था मामा और फूफा। मामा और फूफा दोनों व्यापार करते थे और दोनों व्यापार में सहभागी थे। मामा ने फूफा से कहा, फूफा क्यों ना हम कोई ऐसी वस्तु खरीद लें जो जल्दी खराब ना हो और उसकी कीमत भी बढती रहे; फिर हम उसे कुछ वर्षो बाद बेचें जिससे उसके मूलधन से ज्यादा दाम मिले। फूफा ने कहा, ठीक है मामा, तुम्हारी बात तो सही है, पर हम खरीदें क्या? उन्होंने आपस में राय-मशवरा किया और लोहा खरीदने का निर्णय लिया। दोनों ने बराबर रुपए मिला कर लोहा खरीदा। फूफा ने मामा से कहा कि लोहा वह कहीं सूरक्षित स्थान पर रख दे। मामा ने लोहा अपने पास एक पुरानी कोठरी में रख लिया। कुछ दिन तो लोहा जस का तस रखा रहा पर धीरे-धीरे मामा के मन में लालच आ गया और मामा फूफा को बिना बताये लोहा बेचने लगा।

काफी दिनों बाद फूफा मामा के पास गया और बोला, मामा आज लोहे का भाव काफी बढ़ गया है, जल्दी से वह लोहा निकालो, हम इसे बेच-कर आते हैं। इस पर मामा बोला, फूफा लोहा तो अब कबाड़ घर में नहीं है, क्योंकि लोहे को तो घुन खा गये हैं। फूफा समझ गया की मामा ने उसके साथ धोखा किया है। और उसे बिना बताये सारा का सारा लोहा बेच दिया है। फूफा को क्रोध तो बहुत आया पर वह बिना कुछ कहे-सुने वहां से चला गया इस घटना के कुछ दिनों बाद फूफा मामा के पास आया और बोला, मामा मैं एक बारात में जा रहा हूँ, बड़ा अच्छा इंतजाम है, अकेला हूँ चाहो तो अपने लड़के को साथ भेज दो, उसकी भी मौज हो जायेगी और कल सुबह तक हम वापस भी आ जायेंगे। मामा बोला, क्यों नहीं, बेशक तुम मेरे लड़के को अपने साथ लेकर जाओ। और हां इसे बारात में अच्छी तरह खाना-वाना खिला देना। फूफा बोला, यह भी भला कोई कहने की बात है मामा, तुम निश्चिंत रहो। इस तरह दो दिन बीत गए। मामा का लड़का अभी तक घर वापस नहीं आया। मामा को बहुत चिंता हो गयी की अभी तक उसका लड़का घर वापस क्यों नहीं आया है? वह अपने लड़के के बारे में जानने के लिए फूफा के पास गया और बोला, फूफा मेरा लड़का कहाँ है? वह अभी तक घर वापस क्यों नहीं आया है? फूफा ने कहा, क्या बताऊँ मामा, रास्ते में एक चील तुम्हारे लड़के को उठा कर ले गयी। मामा बोला, ये कैसे हो सकता है, भला कोई चील 12 साल के लड़के को उठा कर ले जा सकती है? सीधी तरह मेरा लड़का मुझे वापस करों, नहीं तो मैं राजा भीम के पास जाऊंगा। फूफा बोला, ठीक है मामा, चलो राजा जी के पास चले, अब वही न्याय करेंगे। मामला वहां के राजा भीम के सामने पेश हुआ। राजा भीम ने सारी बात सुनी और आश्चर्यचकित होते हुए फूफा से कहा, देखो फूफा तुम झूठ बोल रहे हो, भला कोई चील 12 वर्ष के लड़के को उठा कर अपने पंजो से आसमान में ले जा सकती है? इस पर फूफा ने उत्तर दिया, कथा कहूँ कथावली, सुनो राजा भीम। लोहा को घुनन खाय, तो लड़का ले गया चील। इस पर राजा भीम सब समझ गये और उन्होंने मामा को आज्ञा दी की वह फूफा का लोहा वापस कर दे। और फूफा को कहा कि वह लड़के को मामा के पास वापस पहुंचा दे।

पति पत्नी और करवा चौथ

संतोष उत्सुक

(व्यंग्य)

ज्योतिषी सरगी का समय सुबह छ बजे के बाद बताते हैं लेकिन बहुत सी पत्नियां सुबह चार बजे ही उठ जाती हैं क्यूंकि उन्हें अपनी सास के जमाने से आदत है। करवा चौथ के व्रत से सास इफेक्ट जाता नहीं। जब हम असली बुद्धि के जमाने में थे तो कई नकली परिवर्तन किए अब नकली बुद्धि के युग में हैं।

पति की उम्र बढ़ाने के लिए पत्नी को पटाने, करवा चौथ का व्रत जिंदगी में फिर आ गया है। एक राष्ट्रीय अखबार ने एक बढ़िया खबर छापी कि चांद देखे बगैर भी खोला जा सकता है व्रत। एक पीएचडी ज्योतिषाचार्य ने समझाया कि अगर मौसम खराब हो, बादल छाए रहने के कारण चांद दिखाई न दे तो भी चिंता करने की जरूरत नहीं। कहीं से भी चांद देखने की सूचना मिलते ही व्रत खोला जा सकता है। वीडियो काल पर चांद देखना वैध माना गया है। ज्योतिषी सरगी का समय सुबह छ बजे के बाद बताते हैं लेकिन बहुत सी पत्नियां सुबह चार बजे ही उठ जाती हैं क्यूंकि उन्हें अपनी सास के जमाने से आदत है। करवा चौथ के व्रत से सास इफेक्ट जाता नहीं। जब हम असली बुद्धि के जमाने में थे तो कई नकली परिवर्तन किए अब नकली बुद्धि के युग में हैं। परिवर्तन होना चाहिए यानि जैसे प्राचीन काल में स्त्रियां व्रत रखती थी वैसे रखें ताकि पति की जान वास्तव में सलामत रहे और पति से भी सम्मान मिले।

इंसान ने अपनी बनाई कृत्रिम बुद्धि के कारण कुदरत द्वारा दी नैसर्गिक बुद्धि को नकारना शुरू कर दिया है लेकिन दूसरी तरफ पूरे होश और जोश के साथ परम्परा और संस्कृति की लकीरों को पीटा जा रहा है। काफी कोशिश करने पर भी परम्पराएं छूट नहीं पा रही। परिस्थितियों में निरंतर बदलाव, जिंदगी में उगती जा रही वक़्त की कमी के कारण कुछ परम्पराएं बदल भी रही हैं। करवा चौथ की रात को खाने का तरीका बदला है। रिसोर्ट और होटल में जाकर व्रत खोल रहे हैं जोकि पौराणिक पारम्परिक संस्कृति के अनुसार गलत माना जाना चाहिए। पूजा समय पर नहीं करते लेकिन पूरा दिन



उधर धार्मिक नियमों के रखवालों को गुस्सा आ रहा है। उनके अनुसार धर्म पुस्तकों की पंडिताई गौण हो गई है क्यूंकि लोगों फेस टू फेस न होकर फेस बुक पर विशवास कर रहे हैं। धर्म और धर्म शास्त्र के प्रति निष्ठा कम करने में एंटी सोशल पंडिताई का सर्वश्रेष्ठ अविस्मरणीय योगदान है। हालांकि वे वहम न करने को कह रहे हैं। विदेश में करवा चौथ का व्रत रखने वाली महिलाओं के लिए दिलचस्प दुविधा है। वहां का समय भारतीय समय के असमानांतर है। उनका व्रत शुरू करने का समय कुछ और होता है जो भारतीय समय से बिलकुल अलग होता है। क्या उन्हें व्रत का फल मिलता होगा। वैसे व्रत रखना स्वास्थ्य के लिए हमेशा लाभदायक रहा है। उसमें बाजार के दखल की जरूरत नहीं होती लेकिन बाजार शातिर होता है किसी भी अवसर उत्सव त्यौहार यहां तक कि दुःख के अवसरों को भी नहीं बख्शता। बदलाव लाना मुश्किल काम है।

त्यौहार मान लिया जाता है। पतियों ने भी व्रत रखना शुरू कर दिया गया है लेकिन मनोरंजक दिखावा और रिश्तों में छलावा बढ़ रहा है। इसलिए लगता नहीं अब इस व्रत से पति की जान बच सकती है। क्या वैवाहिक संस्था की व्यवस्था परिवर्तन चाहती है । पति की लम्बी आयु के लिए रखा जाने वाला व्रत बदलाव के कई रास्ते तय कर चुका है। करवा खरीदने बारे सोशल मीडिया पर अफवाहें उग रही हैं जिससे महिलाएं धोखा खा रही हैं।

नर्सिंग छात्रा मौत मामला , दफनाए गए शव को गढड़े से बाहर निकालकर काटा हंगामा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/फिरोजाबाद। संदिग्ध परिस्थितियों में नर्सिंग छात्रा की मौत के मामले के आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से नाराज परिजन शनिवार को गड्ढे से शव निकाल फिरोजाबाद ले गए। परिजन कालेज प्रबंधन पर सहयोग न करने आरोप लगाकर हत्या की आशंका जताते हुए शव का दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग कर रहे हैं। परिजनो द्वारा गड्ढे से शव निकालने की सूचना पर एसपी ग्रामीण ने पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई।

ज्ञात हो कि औंछा क्षेत्र के गांव मधन निवासी सोनपाल की 17 वर्षीय पुत्री प्रीति फिरोजाबाद के मटसेना स्थित नर्सिंग कालेज में जीएनएम की छात्रा थी। बीते गुरुवार को छात्रा प्रीती की फिरोजाबाद में ही



संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई थी, परिजनों ने हत्या की आशंका व्यक्त की तो फिरोजाबाद पुलिस ने शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनो के सुपुर्द कर दिया था। दोपहर को शव गांव पहुंचा तो पिता सोनपाल ने कालेज प्रबंधक पर सहयोग न करने और हत्या की आशंका व्यक्त करते हुए कार्रवाई की मांग की। औंछा पुलिस ने समझाकर शव का अंतिम संस्कार कराकर शव दफन करा दिया था।

शव को फिरोजाबाद ले गए परिजन

लेकिन शनिवार की सुबह करीब नौ बजे के परिजन दोबारा पोस्टमार्टम की मांग करते हुए गड्ढे से शव निकालकर फिरोजाबाद ले गए। पिता सोनपाल ने आरोप लगाया कि मामले में कालेज प्रबंधक ने कोई सहयोग नहीं किया, जब सीसी कैमरे की फुटेज मांगी तो साफ इंकार कर दिया। उन्होंने दोबारा शव का पोस्टमार्टम कराने और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की।

पुलिस की एक टीम को फिरोजाबाद भेजा

दफनाए गए शव को गढड़े से निकाले जाने की सूचना पर एसपी ग्रामीण अभिषेक तिवारी, सीओ कुरावली सच्चिदानंद सिंह और औंछा इंस्पेक्टर औंछा चंद्रपाल सिंह पुलिसबल के साथ गांव पहुंचे। जहां अधिकारियों ने जानकारी ली, लेकिन तब तक परिजनन शव लेकर फिरोजाबाद के लिए निकल चुके थे। एसपी ग्रामीण ने बताया कि घटना फिरोजाबाद की है, वहां की पुलिस ने घटना का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस की एक टीम को फिरोजाबाद भेजा गया है।

पुलिस ने रास्ते में ही छीना शव

नर्सिंग छात्रा की मौत के मामले में आरोपी नर्सिंग कालेज के चेयरमैन और उनके बेटे की गिरफ्तारी न होने से भड़के परिजनों ने फिरोजाबाद जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। परिजन शव का दोबारा पोस्टमार्टम कराए जाने की भी मांग कर रहे थे। इधर मटेसना पुलिस का कहना है कि शव को दफनाए जाने के बाद शनिवार सुबह परिजन शव को गड्ढे से निकालकर जिला मुख्यालय आ रहे थे। वहां पहुंचने से पहले ही पुलिस ने परिजनो से शव छीन लिया। कुछ परिजनों को घिरोर में रोका गया है।

महिला से दोस्ती, प्यार फिर धोखा

मैट्रिमोनियल साइट पर दोस्ती करके महिला से दुष्कर्म किया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। पति की मृत्यु हो जाने के बाद दो बच्चों का पालन-पोषण कर रही सरकारी विभाग में तैनात महिला कर्मी को मैट्रिमोनियल वेबसाइट पर दोस्ती करना भारी पड़ गया। कानपुर के रहने वाले आरोपी ने खुद को गुजरात का बड़ा व्यावसायी बताकर पहले महिला को प्रेमजाल में फंसाया। फिर घर पहुंचकर नशीला पदार्थ खिलाकर महिला और उसके बच्चों को अचेत कर दिया। महिला के साथ दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बनाया। वीडियो के जरिए ब्लैकमेल कर आभूषण और कर्ज के रूप में 50 लाख रुपये से अधिक की रकम हड़प ली। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शहर की एक कालोनी निवासी विधवा महिला ने न्यायालय के आदेश पर कोतवाली सदर में



मुकदमा दर्ज कराया है। बताया कि वह सरकारी कर्मचारी हैं। वर्ष 2021 में पति की मृत्यु के बाद वह दो बच्चों के साथ रह रही थीं। जनवरी 2023 में मैट्रिमोनियल वेबसाइट पर उनकी बातचीत कानपुर के मंगला बिहार निवासी नितिन यादव से शुरू हुई। उसने खुद को गुजरात का बड़ा व्यावसायी बताया। शातिर ने प्रेमजाल में फंसा लिया और इसके बाद आरोपी ने एक दिन घर आकर और नशीला पदार्थ पिलाकर उन्हें और बच्चों को अचेत कर दिया। अचेत होने के बाद उसने दुष्कर्म की घटना को अंजाम देकर अश्लील वीडियो बना लिया।

अश्लील वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल

कुछ दिन बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया जाने लगा। दबाव में आकर उन्हें शहर के एक रेस्टोरेंट में आरोपी से शादी करनी पड़ी। इसके बाद मुथूट फाइनेंस में करीब 40 लाख रुपये के आभूषण गिरवी रखवाकर रकम हड़प ली। बच्चों को जान से मारने की धमकी देकर 12 लाख रुपये का व्यक्तिगत ऋण भी करवा लिया। आरोपी के एयरफोर्स से रिटायर्ड पिता से शिकायत की तो उसने भी जान से मारने की धमकी दी। महिला ने बताया कि आरोपी पहले भी अपनी पत्नी के साथ इसी तरह की धोखाधड़ी कर चुका है। इंस्पेक्टर ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मासूमों की मौत बनी रहस्य खेलते-खेलते गिरने के बाद फिर कभी भी न उठ सके

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। खेलते-खेलते कुछ ही पल में दो मासूमों की जिंदगी की डोर टूट गई। दोनों ही मासूम घर के आंगन में खेलते हुए बेहोश हो गए और अस्पताल पहुंचने से पहले दम तोड़ दिया। परिजन और चिकित्सक भी दोनों की मौत का कारण नहीं समझ सके। दो परिवारों की दिवाली की खुशियों पर मौत का ग्रहण लग गया। परिजन के पोस्टमार्टम न कराने की वजह से मासूमों की मौत का रहस्य बनकर रह गई। चिकित्सक भी मौत का कारण बीमारी या अटैक बताने में असमर्थ नजर आए।

कोतवाली सदर क्षेत्र के ज्योंती तिराहे निवासी सुशील कुमार की डेढ़ साल की पुत्री राधा शुक्रवार की शाम घर के आंगन में खेल रही थी। तभी वह अचानक बेहोश हो गई। परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया है। सुशील कुमार ने बताया कि बच्ची को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं थी। समझ नहीं आया कि वह अचानक कैसे बेहोश हुई और अस्पताल ले जाने से पहले ही मौत हो गई। बच्ची की मौत से परिजन का रो-रोकर बुरा हाल था।

थाना एलाऊ क्षेत्र के गांव रामनगर निवासी रमन का ढाई साल का पुत्र रेहांश शनिवार की दोपहर घर पर खेल रहा था। वह पूर्ण रूप से स्वस्थ था। थोड़ी देर पहले ही उसने चावल खाकर पानी पिया था। खेलते समय वह अचानक बेहोश हो गया। परिजन उसे पहले जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जिला अस्पताल में डॉक्टर ने जांच के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया। दोनों बच्चों के परिजन ने पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया। दोनों परिवार कल तक दिवाली त्योहार की तैयारी करने में लगे थे। अपने बच्चों को खोने के बाद त्योहार की खुशियां मातम में बदल गई।

कुछ बच्चों में पैदाइशी हार्ट की दिक्कत होती है। इन बच्चों को क्या दिक्कत थी, बिना पोस्टमार्टम के कुछ भी कहना संभव नहीं है। अचानक बच्चों को बेहोश होना और उनकी मौत होना चिंता की बात है।- डॉ. डीके शाक्य, बाल रोग विशेषज्ञ जिला अस्पताल।

अस्पताल की पुरानी जर्जर बिल्डिंग में देह व्यापार होने का आरोप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। कस्बा कुरावली में जीटी रोड किनारे तहसील के निकट स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के अधीन अस्पताल की पुरानी जर्जर बिल्डिंग परिसर में बने कमरों को लेकर गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि अस्पताल परिसर में बने एक कमरे में लंबे समय से अनैतिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं। यहां देह व्यापार होने की चचाओं के बाद कस्बे में हलचल मची हुई है।

बताया जा रहा है कि अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग काफी समय से जर्जर हालत में है। इसके परिसर में बने कुछ कमरों का इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जा रहा है, इसको लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि परिसर में बने एक कमरे में संदिग्ध गतिविधियां होती हैं। यदि इन आरोपों की जांच की जाए तो कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं। कुछ दिन पहले इस परिसर में एक युवक के साथ मारपीट की घटना हुई थी। बताया जाता है कि युवक वहां पहुंचा था, जहां पहले से मौजूद तीन युवकों ने उसके साथ मारपीट कर दी। इस घटना के बाद मामला लोगों की चर्चा में आ गया। इसके बाद अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग में संचालित



संदिग्ध गतिविधियों को लेकर भी सवाल उठने लगे। स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा तेज हो गई कि आखिर सरकारी अस्पताल के परिसर में इस तरह की गतिविधियों पर अब तक रोक क्यों नहीं लगाई गई।

आखिर किसकी इजाजत से इस्तेमाल हो रहा था कमरा

मामले के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की भूमिका भी चर्चा में आ गई है। जानकारी के अनुसार, सीएचसी अधीक्षक की ओर से संबंधित कमरे को खाली कराने के लिए नोटिस जारी किया गया है। नोटिस जारी होने के बाद अब यह सवाल उठ रहा है कि सरकारी अस्पताल की संपत्ति पर किस आधार पर कमरा इस्तेमाल किया जा रहा था और वहां रहने अथवा गतिविधियां संचालित करने की अनुमति किसने दी थी।

स्वास्थ्य विभाग और पुलिस प्रशासन से जांच की मांग

स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग और पुलिस प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि अस्पताल परिसर में बने कमरों की स्थिति, उनके आवंटन, कब्जे और उपयोग की जांच कराई जानी चाहिए। साथ ही मारपीट की घटना की भी निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाए।

क्या बोले सीएचसी चिकित्साधीक्षक

अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग में अनैतिक कार्य होने की जानकारी संज्ञान में आई थी, जिसके चलते कमरा में निवास करने वाले को कमरा खाली कराने के लिए नोटिस दिया गया है। अगर नोटिस के बाद कमरा खाली नही किया जाता है तो कानून का सहारा लेकर कमरा खाली कराने के प्रयास किए जायेंगे। लेकिन अस्पताल के कमरो में अनैतिक कार्य नहीं होने दिए जायेंगे।- डॉ. मुनेंद्र सिंह चौहान, चिकित्साधीक्षक सीएचसी कुरावली।

युवक का शव फांसी पर लटका मिला

मोर्निंग सिटी संवाददाता भोगांव/मैनपुरी। पत्नी की अनदेखी से परेशान पति ने करवाचैथ चौथ त्यौहार के एक दिन बाद निराशा मे फांसी का फंदा लगाकर जीवनलीला समाप्त कर ली। स्वजनो का आरोप है कि मृतक की पत्नी बीते एक साल से नाराज होकर मायके मे रह रही थी। नगर के मुहल्ला भीमनगर निवासी 25 वर्षीय राहुल पुत्र राकेश कुमार की पत्नी अपने दो बच्चो कों छोडकर लगभग एक वर्ष पूर्व अपने मायके चली गई थी करवाचौथ पर राहुल ने पत्नी से आने के लिये कहा था किन्तु उसकी पत्नी ने मना कर दिया जिससे राहुल निराश हो गया और करवाचौथ के दूसरे दिन शुक्रवार की रात्रि घर मे फासी का फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना की जानकारी पुलिस को मिलने पर मौके पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा है।

रामलीला में रावण दहन कल

मोर्निंग सिटी संवाददाता भोगांव/मैनपुरी। रामलीला परिषद के तत्वाधान मे चल रही रामलीला मे नगर के रामलीला मैदान मे कल सोमवार को सायं पांच बजे रावण बध होगा। यह जानकारी परिषद के मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने देते हुये बताय कि रावध बध नगर के रामलीला मैदान मे सोमवार को सांय पांच बजे से होगा। उन्होने बताया कि रामलीला मैदान मे पहले राम रावण बध का मंचन होगा। उन्होने लोगो से अधिक से अधिक संख्या मे भाग लेने की अपील की है।

पुरानी रंजिश मे मां बेटी को मारापीटा

मोर्निंग सिटी संवाददाता भोगांव/मैनपुरी। पुरानी रंजिश को लेकर दवंगो ने किशोरी एंव उसकी मां को धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। घटना की रिपोर्ट पुलिस ने दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के ग्राम विरायमपुर निवासी रिया एंव उसकी मां ममता देवी पत्नी हीरालाल घर मे बैठी थी तभी पुरानी रंजिश को लेकर गांव के ही मदनलाल पुत्र वलवीर सिंह उसके पिता वलवीर सिंह, आरती ने धारदार हथियार से प्रहार कर घायल कर दिया।

मिट्ठू बाबा सत्यबली आश्रम में 1.48 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कुरावली क्षेत्र स्थित आस्था के केंद्र मिट्ठू बाबा सत्यबली आश्रम परिसर में 1 करोड़ 48 लाख 60 हजार रुपये की लागत से नवनिर्मित विकास एवं जनसुविधा कार्यों का लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। आश्रम परिसर के विकास कार्यों को निर्धारित समय से एक माह पहले, मात्र 11 माह में पूरा कराया गया है। उन्होंने स्थानीय लोगों से परिसर की स्वच्छता और रखरखाव बनाए रखने की अपील की। मंत्री ने बताया कि कुरावली-अलूपुरा-सलेमपुर-लहरा मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के लिए 25 करोड़ रुपये का टेंडर स्वीकृत हो चुका है। वहीं जीटी रोड पर गैलानाथ पुल से महर्षि कश्यप चौक तक डिवाइडरयुक्त फोरलेन सड़क एवं सौंदर्यीकरण के लिए 18 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन परियोजनाओं से क्षेत्र को जाम की समस्या से राहत मिलेगी और



आवागमन सुगम होगा।

उन्होंने बताया कि मैनपुरी की पांचों जनपदीय सीमाओं पर 10 करोड़ रुपये की लागत से भव्य प्रवेश द्वार एवं पर्यटन सूचना केंद्र बनाए जा रहे हैं। वहीं जिला मुख्यालय पर लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक केंद्र का निर्माण कराया जा रहा है। इसमें ऑडिटोरियम, म्यूजियम, गेस्ट हाउस सहित आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसे आगामी दो माह में लोकार्पित किए जाने की योजना है।

कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी कुरावली प्रदीप कुमार सिंह, बबलू पाण्डेय, नगर पंचायत अध्यक्ष धर्मेंद्र वर्मा धम्मा, विश्राम कश्यप, अजय कुशवाहा, आशाराम, राजेश चौहान, प्रदीप वर्मा, शिववीर सिंह, हरिओम वर्मा, नरेश सिंह राठौर सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं महिलाएं मौजूद रहीं।

कुरावली कोतवाली परिसर में मनाया गया राष्ट्रीय एकता दिवस

मोर्निंग सिटी संवाददाता



कुरावली/मैनपुरी। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शनिवार को थाना कुरावली परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व थाना प्रभारी इंस्पेक्टर ललित भाटी ने किया। इस दौरान प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण थाना परिसर में स्क्रीन के माध्यम से दिखाया गया। प्रसारण को देखने के लिए पुलिस अधिकारी, पुलिस कर्मचारी, महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे उपस्थित रहे और सभी ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना। राष्ट्रीय एकता दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए देश की एकता, अखंडता और आपसी भाईचारे को मजबूत बनाए रखने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को भी याद किया गया, जिन्होंने देश की विभिन्न रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

इंस्पेक्टर ललित भाटी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों के साथ आम नागरिकों की सहभागिता भी देखने को मिली। महिलाओं, पुरुषों और बच्चों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को जनभागीदारी का स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में एकता, सहयोग, सद्भाव और राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने देश की एकता एवं अखंडता बनाए रखने तथा आपसी सौहार्द और भाईचारे को कायम रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता की भावना को जन-जन तक पहुंचाना और नागरिकों को देश की एकता एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक करना रहा।

सुदिती में सामाजिक-भावनात्मक अधिगम पर शिक्षक प्रशिक्षण संगोष्ठी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। शहर के देवी बाईपास रोड स्थित सुदिती ग्लोबल एके-डमी विद्यालय में सामाजिक-भावनात्मक अधिगम (सोशल इमोशनल लर्निंग-एसईएल) विषय पर एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में सीबीएसई मास्टर ट्रेनर धर्मेंद्र कुमार श्रीवास्तव एवं पूजा सहगल ने शिक्षकों को विद्यार्थियों के भावनात्मक, सामाजिक एवं व्यवहारिक विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप आयोजित इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में भावनात्मक एवं सामाजिक शिक्षा की भूमिका से परिचित कराना था। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उपलब्धियां हासिल कराना नहीं, बल्कि बच्चों में आत्मविश्वास, संवेदनशीलता, सामाजिक समझ और जीवन कौशल का विकास करना भी है। प्रशिक्षण के दौरान आत्म-जागरूकता, आत्म-प्रबंधन, सामाजिक जागरूकता, संबंध कौशल तथा जिम्मेदार



निर्णय लेने की क्षमता जैसे पांच प्रमुख बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

धर्मेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि जब बच्चे अपनी भावनाओं, विचारों और क्षमताओं को पहचानना सीखते हैं, तभी वे तनाव एवं अपने व्यवहार का बेहतर प्रबंधन कर पाते हैं।

आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए

विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. राममोहन ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निमार्ता हैं। उनका दायित्व केवल पाठ्यक्रम पूरा कराना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के मन और व्यक्तित्व का निर्माण करना भी है। प्रशासनिक प्रधानाचार्य डॉ. कुसुम मोहन ने शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक शिक्षक को विद्यार्थियों की भावनात्मक आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए। प्रबंध निदेशक डॉ. लव मोहन ने कहा कि सुदिती ग्लोबल एकेडमी का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल परीक्षा में सफल बनाना नहीं, बल्कि उन्हें जीवन की प्रत्येक चुनौती का आत्मविश्वास के साथ सामना करने योग्य बनाना है। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं विद्यालय प्रबंधन द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर विद्यार्थियों ने लिया राष्ट्रप्रेम का संकल्प

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर शनिवार को कुरावली रोड स्थित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। छात्रों को सरदार पटेल के जीवन संघर्ष, व्यक्तित्व और देश की एकता एवं अखंडता बनाए रखने में उनके ऐतिहासिक योगदान से रूबरू कराया गया।

शनिवार को सरकार पटेली की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य जितेन्द्र सिह ने सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। उन्होने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन राष्ट्रीय एकता, दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने देश की रियासतों का एकीकरण कर भारत को एक सूत्र में पिरोने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। शिक्षक प्रमोद अवस्थी ने कहा कि सरदार



पटेल का जीवन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके आदर्शों को अपनाकर युवा पीढ़ी देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आपसी भाईचारा बनाए रखने और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम में निबंध, भाषण, प्रश्नोत्तरी और विचार अभिव्यक्ति सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। शिक्षकों और विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता तथा राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत बनाने की शपथ भी ली। इस मौके पर अश्वनी यादव, यशोबर्धन, वीरी सिंह, सुधीर कुमार, कंचन मिश्रा, नीलम भदौरिया, केपी सिंह आदि मौजूद रहे।

कमरे में फांसी पर लटका मिला छात्रा का शव

मोर्निंग सिटी संवाददाता



मैनपुरी। घिरोर थाना क्षेत्र के गांव ढकरई में शनिवार को इंटरमीडिएट की 16 वर्षीय छात्रा ने अज्ञात कारणों के चलते फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

घिरोर थाना क्षेत्र के गांव ढकरई निवासी नरेंद्र कुमार की 16 वर्षीय पुत्री शालू ने शनिवार को मकान की दूसरी मंजिल पर बने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। इसके बाद कमरे में पंखे के हुक से कॉपर की केबल के सहारे फंदा लगाकर जान दे दी। काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुलने पर परिजनों को घटना की जानकारी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छात्रा ने आत्महत्या क्यों की, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था का डीएम और एसपी ने किया निरीक्षण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाहा के साथ शनिवार को तहसील सदर परिसर में स्थापित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) वेयर हाउस का बाह्य निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परिसर में विद्युत वायरिंग खुली नहीं रहनी चाहिए तथा अग्निशमन यंत्र हमेशा क्रियाशील स्थिति में रहें। परिसर के अंदर बीड़ी, माचिस सहित किसी भी प्रकार की ज्वलनशील सामग्री ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि वे अपनी निर्धारित शिफ्ट में समय से ड्यूटी पर पहुंचें और नियमित रूप से वेयर हाउस के चारों ओर भ्रमण कर निगरानी रखें। साथ ही सीसीटीवी कैमरे 24 घंटे चालू रखने, उनकी रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने, परिसर की नियमित साफ-सफाई कराने तथा लॉगबुक एवं अन्य पंजिकाओं को अद्यावधिक रखने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। निरीक्षण के दौरान निर्वाचन कार्यालय से अविनाश सक्सेना, अजय अम्बेश सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

यूपी : 2027 के लिए भाजपा का चुनावी ब्लूप्रिंट, इस बार हर बूथ से घर-घर तक मजबूत करेगी पकड़

लखनऊ



प्रदेश कार्यसमिति में गृहमंत्री अमित द्वारा दिए गए चुनावी जीतने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रदेश भाजपा की टीम अब पूरे मनोयोग से मैदान में उतरकर काम करेगी। इसके तहत कार्यकर्ता जहां अब बूथ से लेकर घर-घर तक अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर काम करेंगे। वहीं, प्रत्येक 50 परिवारों पर एक कार्यकर्ता को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। विधानसभा स्तर पर प्रवासी प्रभारी और जिला व विधानसभा चुनाव संचालन समितियां भी गठित होंगी।

इस संबंध में शनिवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय में हुई चुनाव से संबंधित कार्ययोजना पर मंथन को लेकर हुई बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने साफ किया कि 2027 का चुनाव माइक्रोमैनेजमेंट के आधार पर लड़ा जाएगा। तावड़े ने जिला प्रभारियों को विधानसभा और विधानसभा प्रभारियों को शक्तिकेंद्रों पर प्रवास करने के निर्देश दिए। महिला और युवा मोर्चा के कार्यकर्ता भी विधानसभा स्तर पर प्रवासी के रूप में काम करेंगे। प्रदेश भाजपा प्रभारी ने पदाधिकारियों को घर-घर संपर्क अभियान में महिला, युवा, नए मतदाता, किसान, लाभार्थी, छोटे व्यापारी, प्रबुद्ध वर्ग और पूर्व सैनिकों के साथ सामाजिक व धार्मिक संगठनों को जोड़ने फोकस करने के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही इसपर आधारित कार्ययोजना तैयार करने को भी कहा है। उन्होंने कहा कि सक्रिय सदस्यों की बैठकें शुरू कर उन्हें चुनावी जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने मतदाता सूची सत्यापन और विशेष पुनरीक्षण को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने प्रदेश के सभी 1918 मंडलों में कार्यकताओं की टीमें बनाकर प्रवास करने, ग्रामसभा स्तर पर चौपाल और जनसंवाद आयोजित करने तथा लाभार्थियों से लगातार संपर्क रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने का आधार बूथ और वहां के मतदाता हैं। बैठक में तीन नवंबर से सभी छह संगठनात्मक क्षेत्रों में लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ अभियान के तहत पदयात्राएं निकालने का निर्णय लिया गया। प्रत्येक पदयात्रा में कम से कम 25 हजार लोगों की भागीदारी का लक्ष्य है। पार्टी की कोशिश इन आयोजनों के जरिये चुनावी माहौल बनाने के साथ संगठन और कार्यकताओं को सक्रिय करने की है। पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी श्री विनोद तावडे, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री श्री पंकज चौधरी, प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री धर्मपाल सिंह तथा प्रदेश सह प्रभारी श्रीमती मेधा कुलकर्णी, श्री जगदीश पटेल, श्री अनंत ओझा व डा. प्रदीप वर्मा की उपस्थिति में आयोजित बैठक में प्रदेश पदाधिकारी, क्षेत्रीय अध्यक्ष, मोर्चो के प्रदेश अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष तथा जिला प्रभारी उपस्थित रहे। लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती पर उन्हें पुष्पार्चन कर कृतज्ञ नमन करने के पश्चात प्रारम्भ हुई बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री श्री दिलीप पटेल ने किया।

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने जिला और विधानसभा चुनाव संचालन समितियों के गठन के साथ पूर्व पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को संगठनात्मक गतिविधियों से जोड़ने को कहा। दीपावली के बाद मतदाता पुनरीक्षण अभियान तेज होगा। नए मतदाताओं के फार्म-6 भरवाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। युवा, महिला, व्यापारी, श्रमिक और छोटे कारोबारियों के बीच संपर्क के लिए भी अलग-अलग टीमें बनाई जाएंगी।

केजीएमयू में धर्मांतरण का खुलासा

डॉ. अनीस ने 19 युवतियों से किया दुष्कर्म, वीसी के सचिव भी जांच के घेरे में

लखनऊ



किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में धर्मांतरण और महिला डॉक्टरों के यौन शोषण की जांच में एसटीएफ ने इस्लामिक मेडिकोज समूह से जुड़े एक डॉक्टर को लेकर बड़ा खुलासा किया है। दावा है कि डॉ. सैम अनीस ने 19 हिंदू युवतियों से दुष्कर्म करने की बात खुद स्वीकारी थी। यह कबूलनामा उसने पीड़िताओं के सामने किया था। 2006 से 2012 के बीच धर्मांतरण के मामले की गोपनीय जांच जारी है। दोषियों पर जल्द शिकंजा कस सकता है।

एसटीएफ की जांच रिपोर्ट के मुताबिक, सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज (एसएनएमसी), आगरा में इस्लामिक मेडिकल छात्रों का एक समूह था। इस्लामिक मेडिकोज नाम से एक किताब भी प्रकाशित की गई थी, जिसमें 2012 से 2016 बैच तक के मुस्लिम मेडिकल छात्रों का विवरण था। इसमें रमीज, रिजवान मलिक और अदनान अंसारी व सैम अनीस को मित्र बताया गया है। सहारनपुर के रहने वालेक सैम ने खुद इन पीड़ित महिलाओं से कहा था कि वह 19 हिंदू युवतियों से दुष्कर्म कर चुका है। इसके अलावा कई हिंदू महिलाएं उसके संपर्क में हैं। इस पर तफ्तीश जारी है।

धर्मांतरण करवा किया निकाह कई हिंदू लड़कियों से बनाए संबंध

जांच रिपोर्ट के मुताबिक पैथोलॉजी विभाग के रेजिडेंट डॉक्टर समीउद्दीन नायक ने एक हिंदू जेआर को प्रेम जाल में फंसाया। दबाव बनाकर उसका धर्मांतरण करवा निकाह कर लिया। वह पहले भी निकाह कर चुका था। उसकी प्रताड़ना से धर्मांतरण कर निकाह करने वाली लड़की ने खुदकुशी का प्रयास किया था। यही नहीं जांच में सामने आया कि उसके कई हिंदू लड़कियों से संबंध हैं। एसटीएफ की रिपोर्ट में केजीएमयू के कुलपति के निजी सचिव एसए अब्बास व पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. अब्बास अली मेहंदी का भी जिक्र है। अब्बास केजीएमयू में क्लर्क रह चुके हैं। तीन वर्ष पहले सेवानिवृत्त होने के बाद डॉ. मेहंदी की सिफारिश पर उन्हें पीएस नियुक्त किया गया था। डॉ. मेहंदी केजीएमयू के मेडिसिन विभाग के एचओडी रह चुके हैं।

रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि डॉ. मेहंदी अपने काम अब्बास के माध्यम से कराते थे। जांच समितियों के सदस्यों के नाम भी उनके सुझाव पर कुलपति तक पहुंचाए जाते थे। एसटीएफ का दावा है कि वर्ष 2006 से 2012 के बीच ज्यादातर धर्मांतरण डॉ. मेहंदी के कार्यकाल के दौरान हुई थीं। एसटीएफ ने मेडिसिन विभाग के नेफ्रोलॉजिस्ट प्रोफेसर उस्मान कौसर का भी उल्लेख किया है। रिपोर्ट में डॉ. कौसर, मो. कैफ, मो. एहसान, अमान मलिक, शदन शमीन, मो. अयान, मो. जहीर, अमान व शाबिर खान पर कई हिंदू महिला डॉक्टरों से संबंध होने और इस्लामिक विचारधारा से जोड़ने के लिए प्रेरित करने का दावा है।

सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि पर मंडलायुक्त चिंतित, ओवरस्पीड पर सख्ती के निर्देश

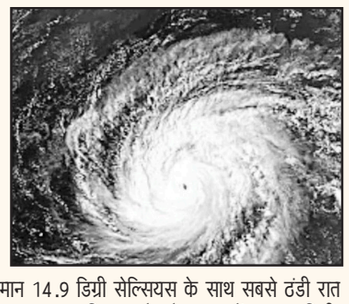
मोर्निंग सिटी संवाददाता अलीगढ़। मंडलायुक्त की अध्यक्षता में शनिवार को मंडलायुक्त सभागार में मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें मंडल के चारों जनपदों में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति, दुर्घटनाओं के कारणों, ब्लैक स्पॉट सुधार, यातायात नियमों के पालन और स्कूली वाहनों की सुरक्षा की समीक्षा की गई।बैठक में वर्ष 2025 की तुलना में वर्ष 2026 में अलीगढ़ और हाथरस में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ने पर मंडलायुक्त ने चिंता जताई। इसके अलावा ओवरस्पीड, नशे में वाहन चलाने, मोबाइल फोन के प्रयोग और गलत दिशा में वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने तथा दुर्घटनाओं में शामिल चालकों के लाइसेंस निलंबित करने की कार्रवाई बढ़ाने को कहा गया।स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए चारों जनपदों के जिला विद्यालय निरीक्षकों को एक माह में स्कूल वाहन चालकों का विवरण और चरित्र सत्यापन पूरा कराने के निर्देश दिए गए। इसकी जानकारी प्रत्येक छह माह में परिवहन और पुलिस विभाग को उपलब्ध करानी होगी।मंडलायुक्त ने राहवीर योजना और सड़क दुर्घटना पीड़ितों के निशुल्क उपचार योजना का प्रचार-प्रसार करने पर जोर दिया। अलीगढ़ में उपचार योजना के तहत लंबित 18 मामलों पर नाराजगी जताते हुए स्वास्थ्य विभाग को जांच कर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों में एंबुलेंस तैनात करने और उनके मानकों व स्वास्थ्य प्रमाणपत्रों की जांच सुनिश्चित करने को कहा।बैठक में पुलिस, परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम और एनएचएआई सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

राशन उठान में देरी पर बजरंग कंस्ट्रक्शन फर्म सवालों के घेरे में

मोर्निंग सिटी संवाददाता अलीगढ़। दीपावली से पहले पात्र राशन कार्ड धारकों को खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित कराने के शासन के निर्देशों के बावजूद राशन उठान की प्रक्रिया में देरी को लेकर सवाल उठने लगे हैं। बजरंग कंस्ट्रक्शन फर्म पर निर्धारित समय में गोदाम से राशन का उठान नहीं कर पाने का आरोप है। बताया जा रहा है कि अब तक गोदाम से अपेक्षित मात्रा में राशन का उठान नहीं हुआ है, जिससे उपभोक्ताओं तक समय पर खाद्यान्न पहुंचने को लेकर चिंता बनी हुई है। मामले में राशन उठान के लिए लगाए गए वाहनों को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि विभागीय अभिलेखों में जिन वाहनों का विवरण दर्ज है, उनके स्थान पर दूसरे वाहनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। यदि ऐसा है तो वाहनों के सत्यापन और उनके संचालन की प्रक्रिया की जांच जरूरी है।सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह है कि राशन उठान में देरी और वाहनों के इस्तेमाल को लेकर उठ रहे सवाल संबंधित अधिकारियों को दिखाई क्यों नहीं दे रहे हैं? शासन के स्पष्ट निदेर्शों के बावजूद यदि उठान की प्रक्रिया समय से पूरी नहीं हो पा रही है तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है? आखिर विभागीय निगरानी व्यवस्था क्या कर रही है और अब तक इस मामले में प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हुई?पूरे मामले में ठेकेदार फर्म के साथ संबंधित विभागीय अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आनी चाहिए। जरूरी है कि गोदाम से राशन उठान की वास्तविक स्थिति, वाहनों के अभिलेख और मौके पर संचालित वाहनों का मिलान कराया जाए तथा देरी के कारणों की जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि शासन के निदेर्शों के अनुरूप पात्र उपभोक्ताओं को समय पर राशन उपलब्ध कराया जाए।

यूपी का मौसम: बारिश-हवाएं थमने के बाद पारा चढ़ने का अनुमान, प्रदेश में समय से पहले हो सकती है कोहरे की दस्तक

लखनऊ । विभाग के अनुसार, रविवार से अर्नब तूफान और पश्चिमी विक्षोभ का असर कमजोर पड़ने लगेगा। विंध्य क्षेत्र को छोड़कर प्रदेश के बाकी हिस्सों में बारिश और तेज हवाओं का दौर थमने के आसार हैं। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि रविवार से अगले तीन दिनों में दिन के तापमान में पांच से सात डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं, रात के तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट के संकेत हैं। बारिश थमने के बाद प्रदेश के विभिन्न जिलों में सुबह हल्के से मध्यम कोहरे की स्थिति बन सकती है। बारिश के चलते शनिवार को गोरखपुर में अधिकतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा। वहीं,



मुजफ्फरनगर में न्यूनतम तापमान 14.9 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडी रात रही। बारिश के आंकड़ों के अनुसार शनिवार को गोरखपुर में 63.8 मिमी, सिद्धार्थनगर में 62.2 मिमी, बस्ती में 57.2 मिमी, महाराजगंज में 56.6 मिमी और मथुरा में 31 मिमी बारिश दर्ज की गई। नवंबर में उत्तर प्रदेश में बारिश के सामान्य से कम रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क रह सकता है। हालांकि मध्य और पश्चिमी यूपी के कुछ इलाकों में हल्की फुल्की बारिश रह सकती है। तापमान की बात करें तो दिन और रात दोनों का पारा सामान्य से अधिक रहने के संकेत हैं। ऐसे में नवंबर में ठंड सामान्य से कम रह सकती है।

वाराणसी: नवजात की तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल में हंगामा, डॉक्टरों पर मारपीट और धमकाने का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

वाराणसी । वाराणसी में कैंट थाना क्षेत्र के भुवनेश्वर नगर स्थित वैष्णवी हॉस्पिटल में नवजात के इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए परिजनों ने हंगामा किया। आरोप है कि बच्चे की हालत बिगड़ने पर परिजनों ने डॉक्टरों से जवाब मांगा तो अस्पताल के डॉक्टरों ने 20-25 युवकों को बुला लिया। मारपीट की और धमकी दी गई। मामले में अश्वनी कुमार गुप्ता की तहरीर पर पुलिस ने दो डॉक्टरों समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। लालपुर-पांडेयपुर थाना क्षेत्र के गोइठहां निवासी अश्वनी कुमार गुप्ता के अनुसार, उनकी पत्नी का काजीसराय स्थित एक क्लीनिक में सामान्य प्रसव हुआ था। डॉ. मंजू शर्मा की सलाह पर नवजात को बेहतर इलाज के लिए 25 अक्तूबर को वैष्णवी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। वहां डॉ. बीके सिंह (बिजेंद्र कुमार सिंह) और डॉ. एके सिंह की देखरेख में बच्चे का उपचार चल रहा था।

आरएमपीएसयू की बास्केटबॉल टीम ने जीत के साथ चैथे राउंड में बनाई जगह

मोर्निंग सिटी संवाददाता



अलीगढ़। राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय (आरएमपीएसयू), अलीगढ़ की पुरुष बास्केटबॉल टीम ने अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में लगातार तीन मुकाबले जीतकर चैथे राउंड में प्रवेश कर लिया है। टीम ने शानदार खेल प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया।महाराजा भूपेंद्र सिंह पंजाब स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, पटियाला में आयोजित प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में आरएमपीएसयू ने एसआरएम विश्वविद्यालय, हरियाणा को 48-32 अंकों से हराया। दूसरे मुकाबले में चैधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय को कड़े संघर्ष में 53-51 अंकों से पराजित किया। तीसरे मुकाबले में एचआरआईटी विश्वविद्यालय, गाजियाबाद को हराकर टीम ने चैथे राउंड में अपनी जगह पक्की की।इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेंद्र बहादुर सिंह ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। कुलसचिव प्रबुद्ध सिंह एवं क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. केडी वर्मा ने भी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और टीम प्रबंधन को शुभकामनाएं दीं।विश्वविद्यालय परिवार ने उम्मीद जताई कि टीम आगामी मुकाबलों में भी जीत का सिलसिला जारी रखेगी।

आईटीआई में सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती मनाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता



अलीगढ़। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) अलीगढ़ में शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर अप्रेंटिसशिप मेले का भी आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल विकास योजना के शुभारंभ का सजीव प्रसारण संस्थान के कर्मचारियों और प्रशिक्षार्थियों को दिखाया गया।

जयंती पर प्रधानाचार्य विजय बहादुर सिंह ने सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। संस्थान के अन्य कर्मचारियों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।अप्रेंटिसशिप मेले में आठ कंपनियों ने प्रतिभाग किया। इसमें 80 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 30 प्रशिक्षार्थियों का विभिन्न व्यवसायों के लिए चयन किया गया। मेले में इंडियन डाई कास्टिंग, वेव डिस्टलरीज, पावना इंडस्ट्रीज और जाइडस इंडस्ट्रीज सहित अन्य कंपनियां शामिल रहीं।इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य मिथिलेश कुमार, कार्यदेशक हुकम सिंह, जितेंद्र कुमार, अजय, मधुबाला भास्कर, अनुदेशक जितेंद्र पाठक, रवीना रानी, मोहित शर्मा, अवतार सिंह, अरुण आजाद सहित संस्थान के कर्मचारी उपस्थित रहे।

एएमयू छात्रसंघ चुनाव में शरजील इमाम के समर्थन पर विवाद, करणी सेना ने जताया विरोध



मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में छात्रसंघ चुनाव के दौरान शरजील इमाम के समर्थन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले में क्षत्रिय करणी सेना के युवा जिला अध्यक्ष सचिन राघव ने विरोध जताते हुए केंद्रीय गृहमंत्री को ज्ञापन भेजा है।कलेक्ट्रेट में एसीएम के माध्यम से सौंपे गए ज्ञापन में छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष पद के प्रत्याशी नौमान अशरफ का नामांकन निरस्त करने की मांग की गई। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि चुनावी सभा के दौरान नौमान अशरफ ने शरजील इमाम का समर्थन किया था। सचिन राघव ने इस कथित बयान पर आपत्ति जताते हुए मामले को गंभीर बताते हुए जांच और कार्रवाई की मांग की।ज्ञापन में विश्वविद्यालय में भविष्य में विवाद और अव्यवस्था की आशंका भी जताई गई है। करणी सेना ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है।

फिरोजाबाद में यातायात पुलिस का अभियान 153 ओवरस्पीड वाहनों के चालान

602 अन्य वाहनों पर भी कार्रवाई, दो ऑटो-ई-रिक्शा सीज; स्टंट बाइक और साउंड स्पीकर वाले वाहनों पर भी कसा शिकंजा

मोर्निंग सिटी संवाददाता



फिरोजाबाद जनपद में यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए यातायात पुलिस ने शनिवार को विशेष अभियान चलाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी यातायात के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। साथ ही लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया।यातायात पुलिस के अनुसार, निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी बैठाकर चलाए जा रहे ऑटो और ई-रिक्शा के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए दो वाहनों को सीज किया गया, जबकि 21 के चालान किए गए। अभियान के दौरान ऑटो और ई-रिक्शा के खिलाफ कुल 81 चालान किए गए।सड़कों पर वाहनों की गति जांचने के लिए स्पीड मीटर का इस्तेमाल किया गया। निर्धारित गति सीमा से अधिक रफ्तार में वाहन चलाने वाले 153 चालकों के चालान किए गए। इसके अलावा यातायात नियमों के अन्य उल्लंघनों में 602 वाहनों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई।सड़क पर तेज आवाज में साउंड स्पीकर लगाकर चलने वाले 17 वाहनों के चालान किए गए। वहीं, स्टंट और तेज रफ्तार बाइक चलाने के मामलों में छह चालान किए गए। अभियान के दौरान 11 ईको वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई।

हेलमेट और सीट बेल्ट के प्रति किया जागरूक पुलिस ने बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों को हेलमेट के महत्व के बारे में बताया। हेलमेट बैंक के माध्यम से भी लोगों को हेलमेट के इस्तेमाल के लिए जागरूक किया गया। इसके साथ ही ब्रेथ एनालाइजर से वाहन चालकों की जांच की गई और नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने की अपील की गई।यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करने और यातायात संकेतों का पालन करने के निर्देश दिए।

रैली और संगोष्ठियों के जरिए महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, बाल विवाह और नशे के दुष्परिणामों की दी जानकारी, हेल्पलाइन नंबरों के प्रति भी किया जागरूक

मोर्निंग सिटी संवाददाता



फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश शासन की ओर से महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के उद्देश्य से संचालित मिशन शक्ति फेज-06 के तहत शनिवार को जनपदभर में जागरूकता अभियान चलाया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं ग्रामीण के नेतृत्व में समस्त क्षेत्राधिकारियों, थाना प्रभारियों और चौकी प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में रैली, संगोष्ठी और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से छात्र-छात्राओं, शिक्षिकाओं, महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी।

अभियान के अंतर्गत ब्लॉक स्तर, गांवों और विभिन्न शिक्षण संस्थानों में मिशन शक्ति पुलिस टीमों ने महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों की रोकथाम, महिला सुरक्षा, समानता और अधिकारों के प्रति जागरूक किया। साथ ही साइबर हिंसा एवं साइबर अपराधों से बचाव, नशे के दुष्परिणामों, पारिवारिक विवादों और विघटन से जुड़े मामलों, बाल विवाह तथा अन्य सामाजिक कुरीतियों पर चर्चा की गई।पुलिस टीमों ने महिलाओं एवं बालिकाओं को किसी भी आपात स्थिति में सहायता प्राप्त करने के लिए महिला सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर *1090, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, आपातकालीन सेवा 112 और साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930* की जानकारी दी। इसके अलावा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी बताया गया।एसएसपी आदित्य लांग्हे के निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना, उनमें सुरक्षा का विश्वास बढ़ाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना है। पुलिस ने लोगों से महिला सुरक्षा से संबंधित मामलों में जागरूक रहने और जरूरत पड़ने पर तत्काल पुलिस की सहायता लेने की अपील की।

रेलवे स्टेशन पर वदीर्धारी दो पुलिसकर्मियों के नशे में होने का मामला चर्चा में

मोर्निंग सिटी संवाददाता



अलीगढ़। रेलवे स्टेशन परिसर में दो पुलिसकर्मियों के तौर पर नशे की हालत में दिखाई देने का मामला चर्चा में है। बताया जा रहा है कि दोनों पुलिसकर्मी वर्दी में थे। उनकी स्थिति को लेकर लोगों ने सवाल उठाए हैं।मामले में एक और सवाल बाइक को लेकर खड़ा हुआ है। आरोप है कि पुलिसकर्मियों की बाइक के आगे और पीछे कहीं भी नंबर प्लेट दिखाई नहीं दे रही थी। यदि ऐसा है तो यह यातायात नियमों के पालन और पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारी पर सवाल खड़े करता है।घटना को लेकर पुलिस विभाग की जवाबदेही और निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है। अब देखना होगा कि विभाग इस मामले का संज्ञान लेकर संबंधित पुलिसकर्मियों की पहचान, उनकी स्थिति और बिना नंबर प्लेट बाइक चलाने के आरोपों की जांच करता है या नहीं।

राष्ट्रीय एकता दिवसः सरदार पटेल की 151वीं जयंती पर पुलिस लाइन सभागार

मोर्निंग सिटी संवाददाता



हाथरस। लौह पुरुष एवं भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर पुलिस लाइन स्थित ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी सत्य प्रकाश पटेल, पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा, मुख्य विकास अधिकारी पीएन दीक्षित सहित उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। शपथ के दौरान सभी ने संकल्प लिया कि वे राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करेंगे तथा देशवासियों के बीच एकता का संदेश फैलाने का भरसक प्रयास करेंगे। साथ ही देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में अपना योगदान देने का भी संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण प्रदर्शित किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री जी के उद्बोधन को देखा एवं सुना। इस अवसर पर जिलाधिकारी सत्य प्रकाश पटेल ने कहा कि कोई भी राष्ट्र आर्थिक रूप से तभी विकसित हो सकता है, जब वह एकता के सूत्र में बंधा हो। आज भारत जिस एकीकृत स्वरूप में दिखाई दे रहा है, उसके निर्माण और राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को सुदृढ़ करने में सरदार वल्लभभाई पटेल का अतुलनीय योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान भी ऐसी बंधुता और आपसी सद्भाव की भावना पर बल देता है, जो राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखे। राष्ट्रीय एकता का आर्थिक विकास से भी महत्वपूर्ण संबंध है। जिलाधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा 12 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार केंद्र की नई योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य छोटे एवं सूक्ष्म उद्योगों को एक ही परिसर में आवश्यक आधारभूत सुविधाएं, प्रशिक्षित मानव संसाधन, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, कच्चे माल की उपलब्धता, प्रसंस्करण, ग्रेडिंग, मार्केटिंग एवं विपणन संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। लगभग 10 से 25 एकड़ भूमि में विकसित होने वाले ऐसे केंद्र में प्राथमिक उत्पादक से लेकर तैयार उत्पाद के विपणन तक की पूरी प्रक्रिया को एक ही स्थान पर सुविधाजनक बनाया जाएगा। इससे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम श्रेणी के उद्यमों को विशेष लाभ मिलेगा तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, उपायुक्त उद्योग, लीड बैंक मैनेजर, उद्योग बंधु के सदस्य, व्यापारी वर्ग, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

उद्यमियों की समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित

मोर्निंग सिटी संवाददाता



हाथरस। जनपद में औद्योगिक विकास को गति देने एवं उद्यमियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से पुलिस लाइन स्थित ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय उद्योग बंधु समिति एवं व्यापार मंडल समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में औद्योगिक निवेश, उद्यमियों की समस्याओं एवं विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को उद्यमियों की समस्याओं का निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उद्योग बंधु समिति केवल एक औपचारिक मंच नहीं, बल्कि उद्यमियों और प्रशासन के बीच प्रभावी संवाद एवं समस्याओं के समाधान का सशक्त माध्यम है। सभी विभागीय अधिकारी उद्यमियों के प्रति सकारात्मक एवं संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाते हुए उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें। निवेश संबंधी प्रकरणों में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा।

उद्यमियों द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्रों पर तत्काल कार्यवाही करते हुए निर्धारित समयसीमा में निस्तारण तथा प्रत्येक प्रकरण की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। शासन की विभिन्न औद्योगिक योजनाओं के अंतर्गत उद्यमियों को उपलब्ध कराए जाने वाले अनुदान एवं ऋण का लाभ समय से मिलना चाहिए। बैठक में कार्यालय जिला उद्योग केंद्र हेतु वाटर वर्क्स में 3000 वर्ग मीटर भूमि आवंटन, मंडी पोर्टल पर दाल प्रसंस्करण इकाइयों के विरुद्ध प्रदर्शित कथित अवैध कर देयता को शून्य घोषित किए जाने, ट्रांसपोर्ट नगर की स्थापना, अलीगढ़ रोड स्थित नाले की सफाई तथा मिनी औद्योगिक क्षेत्र सलेमपुर के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन विद्युत लाइन को शिफ्ट किए जाने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त उद्योग द्वारा मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद वित्तपोषण योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि पुलिस प्रशासन उनकी सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सदैव तत्पर है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी पीएन दीक्षित, जिला विकास अधिकारी पीएन यादव, अपर पुलिस अधीक्षक रामानंद कुशवाह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

छोटी खबरें

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई



मोर्निंग सिटी संवाददाता **हाथरस।** शनिवार को पुलिस कार्यालय स्थित सभागार कक्ष में एक सादे समारोह में पुलिस विभाग के सेवानिवृत्त होने वाले तीन पुलिसकर्मियों को भावभीनी विदाई दी गई। अधिवर्षता आयु पूर्ण करने वाले पुलिसकर्मी उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस ओमकार प्रसाद, मु0आ0 सा0पु0 राकेश कुमार तथा लीडिंग फायरमैन श्री हरिवंश ने पुलिस विभाग में कुशलतापूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए अपनी सेवा देने के पश्चात सेवानिवृत्ति प्राप्त की। क्षेत्राधिकारी लाइन द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों से उनके पुलिस विभाग में दी गई सेवाओं के अनुभवों को साझा करते हुए उनके आगामी जीवन को सुख-शांति से व्यतीत किए जाने की कामना की गई। क्षेत्राधिकारी नगर हिमांशु माथुर ने सेवानिवृत्त होने जा रहे सभी कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन का अमूल्य समय पुलिस विभाग को दिया, जिसके लिए वे अपने परिवार से भी दूर रहे, परंतु अब सेवानिवृत्ति के बाद सभी अपने को नए कलेवर में ढालेंगे।

त्यौहारों के दृष्टिगत आबकारी विभाग का प्रवर्तन अभियान, कई दुकानों की सघन चेकिंग



मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार तथा जिलाधिकारी हाथरस के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत शिखरा, गुटेरा नौगांव, नयाबाग आदि क्षेत्रों में स्थित विभिन्न देशी एवं कंपोजिट दुकानों की सघन चेकिंग की गई। साथ ही आबकारी दुकान कैंटीन को साफ-सफाई रखने तथा भीड़ का अनावश्यक जमावड़ा न लगने देने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्रवाई के दौरान आबकारी निरीक्षक सादाबाद मय आबकारी स्टाफ उपस्थित रहे।

वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत सासनी के मोमनाबाद में लगी जनचौपाल

मोर्निंग सिटी संवाददाता



हाथरस। सासनी क्षेत्र के गांव मोमनाबाद में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत जनचौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में मुख्य अतिथि के रूप में एआईसीसी पर्यवेक्षक नरेश ठाकुर एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष विवेक उपाध्याय उपस्थित रहे।

जनचौपाल को संबोधित करते हुए पर्यवेक्षक नरेश ठाकुर ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती निष्पक्ष चुनाव और मताधिकार की सुरक्षा पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान का उद्देश्य गांव-गांव तक पहुंचकर जनता को जागरूक करना और हर मतदाता के वोट की रक्षा के लिए जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष विवेक उपाध्याय ने कहा कि वोट जनता की सबसे बड़ी ताकत है और मतदाता सूची में किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटना नहीं चाहिए तथा किसी भी मतदाता को उसके अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी गांव-गांव चौपाल लगाकर जनता की आवाज बुलंद करेगी और मताधिकार की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी। सासनी ब्लॉक अध्यक्ष रिपन राव रिंकू द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश महासचिव डॉ शेर सिंह वरुण, श्रीकृष्ण एडवोकेट, अब्बास हुसैन, देवेंद्र शर्मा, संजीव अंधीवाल, रितेश सिंह, सान्तुन सेंगर, राय साहब, टेक चंद राय, नेत्रपाल सिंह, पदम पाल एडवोकेट, गीतम सिंह, छेदी लाल, अवधेश कुमार, सुखवीर सिंह, चन्द्रपाल सिंह, देवेंद्र कुमार, अरविंद कुमार, महेश चंद, पप्पू नेताजी सहित अनेक कांग्रेसी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। जनचौपाल का संचालन मथुरा प्रसाद कुशवाह ने किया

होटल मोनार्क के पास बिजली के टावर पर चढ़ा युवक, इलाके में मचा हड़कंप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फिरोजाबाद। थाना उत्तर क्षेत्र में होटल मोनार्क के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक बिजली के टावर पर चढ़ गया। युवक को टावर पर चढ़ा देख मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के क्षेत्र में हलचल बढ़ गई। लोग युवक को टावर पर चढ़ा देखकर चिंतित नजर आए। युवक को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास किए जा रहे हैं।फिलहाल युवक के टावर पर चढ़ने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और संबंधित विभाग के अधिकारियों के मौके पर पहुंचने तथा युवक को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयासों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। घटना को लेकर क्षेत्र में लोगों के बीच चर्चा बनी हुई है।



बच्चों की तबीयत बिगड़ने पर भगत हलवाई की दुकान पर खाद्य सुरक्षा विभाग का छापा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फिरोजाबाद शहर की चर्चित मिठाई की दुकान भगत हलवाई पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने छापामार कार्रवाई की। टीम ने दुकान से विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे हैं। दो दिन पहले दुकान से मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थ खाने के बाद दो बच्चों की तबीयत बिगड़ने का मामला सामने आया था। इसके बाद से यह मामला चर्चा में है।जानकारी के अनुसार, बच्चों की तबीयत बिगड़ने के बाद उनके परिजन शिकायत करने दुकान पर पहुंचे थे। आरोप है कि इस दौरान दुकानदार की ओर से दंपति के साथ अभद्रता की गई। दंपति ने इस संबंध में उच्च अधिकारियों से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की थी।मामले को गंभीरता से लेते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने दुकान पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र किए। इन नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। अब जांच रिपोर्ट आने के बाद ही खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।खाद्य सुरक्षा विभाग की इस कार्रवाई के बाद दुकान संचालकों में खलबली मच गई। फिलहाल, बच्चों की तबीयत बिगड़ने के मामले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और दंपति द्वारा लगाए गए अभद्रता के आरोपों को लेकर जांच रिपोर्ट तथा संबंधित अधिकारियों की आगे की कार्रवाई पर नजर बनी हुई है।

"बहुत जल्द उत्तर प्रदेश में बुलेट ट्रेन का कॉरिडोर आने वाला है : अश्विनी वैष्णव"

वाराणसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज काशी रेलवे स्टेशन एवं नमो गंगा रेल सह सड़क ब्रिज का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन के पुनर्विकास एवं आधुनिकीकरण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा निमार्णाधीन नए स्टेशन भवन, कॉनकोर्स, प्लेटफॉर्म एवं अन्य यात्री सुविधाओं के विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त की।

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि "प्रधानमंत्री ने उत्तरी बुलेट कॉरिडोर को मंजूरी दे दी हैं। उत्तर प्रदेश में बुलेट ट्रेन कॉरिडोर जल्द आने वाला है। ये बुलेट ट्रेन कॉरिडोर दिल्ली से गुवाहाटी तक तैयार होगा। यह उत्तरी कॉरिडोर के आने से दिल्ली और आगरा की बीच की दूरी महज 59 मिनट की रह जाएगी,दिल्ली से कानपुर के बीच की दूरी 1 घंटा 59 मिनट होगी,दिल्ली से लखनऊ की बीच की दूरी 2 घंटे 12 मिनट होगी,काशी से लखनऊ के बीच की दूरी 1 घंटे 21 मिनट होगी और काशी से पटना 1 घंटे में पहुंचा जा सकेगा,काशी से अगर दिल्ली की बात करें तो 3 घंटे 35 मिनट में पहुंचा जा सकेगा,वाराणसी से आगरा की अगर बात करें तो 2 घंटे 24 मिनट में पहुंचा जा सकेगा । बुलेट ट्रेन अमीरों के लिए नहीं बल्कि गरीब और मध्यम परिवार के लोगों के लिए भी है। विपक्ष भ्रम फैला रहा है कि किराया बहुत होगा किराया की जहां तक बात है फ्लाइट से भी कम होगी ।" उन्होंने बताया कि काशी रेलवे स्टेशन को आधुनिक, विश्वस्तरीय एवं यात्री अनुकूल स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। स्टेशन के पुनर्विकास कार्य की स्वीकृत अनुमानित लागत 349.50 करोड़ रुपये है, जबकि 304.61 करोड़ रुपये की लागत से कार्य आवंटित किया गया है। कार्य आवंटन की तिथि 16 अगस्त, 2023 है। इस परियोजना का निष्पादन उत्तर रेलवे के निर्माण संगठन की संबंधित इकाई द्वारा किया जा रहा है। पुनर्विकास योजना के अंतर्गत स्टेशन के उत्तर एवं दक्षिण दिशा में दो आधुनिक स्टेशन भवनों का निर्माण किया जा रहा है। दोनों भवन जी+2 (ग्राउंड प्लस दो मंजिल) संरचना के होंगे तथा प्रत्येक भवन का क्षेत्रफल लगभग 10,358 वर्ग मीटर होगा। इसके अतिरिक्त लगभग 10,622 वर्ग मीटर क्षेत्र में विशाल कॉनकोर्स का निर्माण किया जा रहा है। यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए 9 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज, नए प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म शेड एवं कवरिंग, पैदल यात्रियों के लिए कवर्ड पाथवे तथा कॉनकोर्स के ऊपर रूफिंग सहित अन्य विकास कार्य भी परियोजना का हिस्सा हैं।



स्टेशन के पुनर्विकास के पश्चात इसकी परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। वर्तमान में स्टेशन पर 4 रेलवे ट्रैक उपलब्ध हैं, जिन्हें बढ़ाकर 10 किया जाएगा। इसी प्रकार प्लेटफॉर्म की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की जाएगी तथा प्रत्येक प्लेटफॉर्म की लंबाई 600 मीटर होगी। वर्तमान में स्टेशन पर प्रतिदिन लगभग 1,954 यात्रियों की तुलना में पुनर्विकास के बाद यह क्षमता बढ़कर 13,261 यात्री प्रतिदिन हो जाएगी। वहीं ट्रेनों की संख्या वर्तमान 16 जोड़ी से बढ़कर 36 जोड़ी तक हो सकेगी। यात्रियों की सुविधा एवं सुगम आवागमन के लिए स्टेशन पर 30 लिफ्ट एवं 23 एस्केलेटर की व्यवस्था की जाएगी। फुट ओवर ब्रिज की चौड़ाई वर्तमान 6 मीटर से बढ़ाकर 9 मीटर की जाएगी तथा सीढ़ियों की संख्या 3 से बढ़ाकर 26 की जाएगी। इससे यात्रियों को एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म तक पहुंचने तथा स्टेशन के विभिन्न हिस्सों में आवागमन करने में सुविधा होगी। प्रतीक्षालय एवं बैठने की व्यवस्था को भी व्यापक रूप से विकसित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत उत्तर एवं दक्षिण स्टेशन भवनों में लगभग 2,300-2,300 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के प्रतीक्षालय विकसित किए जाएंगे, जिनमें प्रत्येक में लगभग 650 यात्रियों के बैठने की क्षमता होगी। इसके अतिरिक्त लगभग 5,114 वर्ग मीटर के कॉनकोर्स क्षेत्र में लगभग 1,800 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था होगी।

इस प्रकार कुल लगभग 9,714 वर्ग मीटर क्षेत्र में करीब 3,100 यात्रियों के बैठने की सुविधा उपलब्ध होगी। स्टेशन परिसर में पार्किंग व्यवस्था का भी विस्तार किया जा रहा है। वर्तमान में उपलब्ध 115 ईसीएस (इक्विवेलेंट कार स्पेस) की तुलना में पुनर्विकास के अंतर्गत लगभग 10,175 वर्ग मीटर क्षेत्र में 440 ईसीएस की पार्किंग सुविधा विकसित की जाएगी। भविष्य में इस क्षमता को 800 ईसीएस तक विस्तारित करने की योजना भी प्रस्तावित है।

स्टेशन परिसर में लगभग 66,758 वर्ग मीटर क्षेत्र में बाहरी विकास कार्य, लगभग 2,021 वर्ग मीटर क्षेत्र में पैदल यात्रियों के लिए कवर्ड पाथवे तथा लगभग 10,622 वर्ग मीटर क्षेत्र में कॉनकोर्स के ऊपर रूफिंग का कार्य भी प्रस्तावित है। इन कार्यों से स्टेशन परिसर का समग्र विकास होगा तथा यात्रियों को मौसम के अनुकूल सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। काशी रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास वाराणसी की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। परियोजना पूर्ण होने के बाद स्टेशन की यात्री क्षमता, रेल परिचालन एवं आवागमन व्यवस्था में व्यापक सुधार होगा। आधुनिक स्टेशन भवन, विशाल कॉनकोर्स, विस्तृत प्लेटफॉर्म, लिफ्ट, एस्केलेटर, बेहतर प्रतीक्षालय एवं पार्किंग जैसी सुविधाएं यात्रियों को अधिक सुविधाजनक एवं बेहतर रेल यात्रा का अनुभव प्रदान करेंगी। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी ने आज वाराणसी में गंगा नदी पर निमार्णाधीन नमो गंगा रेल-सह-सड़क पुल (नमो ब्रिज) के निर्माण कार्यस्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परियोजना के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों, तकनीकी व्यवस्थाओं एवं कार्य की प्रगति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। यह महत्वपूर्ण रेल-सह-सड़क पुल उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के अंतर्गत निर्मित किया जा रहा है। लगभग 1,074.6 मीटर लंबाई वाले इस पुल की स्वीकृत अनुमानित लागत ?1,380.87 करोड़ है, जबकि निर्माण कार्य हेतु ?1,201.37 करोड़ की लागत से अनुबंध आवंटित किया गया है। इस परियोजना में कुल 10 स्पैन का निर्माण किया जाना है, जिसमें 108.5 मीटर के 8 स्पैन तथा 103.3 मीटर के 2 स्पैन शामिल हैं। पुल की आधारभूत संरचना में 9 पियर एवं 2 एबटमेंट सहित कुल 11 सब-स्ट्रक्चर बनाए जा रहे हैं। इसके लिए 60 मीटर तक की गहराई वाले डबल-डी वेल का निर्माण भी प्रस्तावित है।

इस पुल की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें दो स्तरों पर रेल एवं सड़क यातायात की व्यवस्था की गई है। पुल के निचले तल पर रेल परिचालन के लिए कुल चार रेल लाइनें (दो अप एवं दो डाउन लाइनें) विकसित की जा रही हैं, जिन पर 225 केवी ओवरहेड इलेक्ट्रिक उपकरण (ओएचई) प्रणाली स्थापित की जाएगी। वहीं, ऊपरी तल पर छह लेन के राष्ट्रीय राजमार्ग के अनुरूप सड़क मार्ग विकसित किया जा रहा है, जिसमें विद्युत व्यवस्था, क्रैश बैरियर एवं अन्य आवश्यक सड़क सुरक्षा सुविधाएं शामिल होंगी। इस अवसर पर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे और उन्होंने रेल मंत्री जी को स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों की प्रगति एवं प्रस्तावित यात्री सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

डीएम ने व्यापारियों से ब्याज माफी योजना-2026 का लाभ उठाने की अपील की

मोर्निंग सिटी संवाददाता



हाथरस। ब्याज माफी योजना-2026 के संबंध में व्यापारियों एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ पुलिस लाइन सभागार में बैठक करते हुए

जिलाधिकारी सत्य प्रकाश पटेल ने योजना के विभिन्न प्रावधानों एवं लाभों

पर विस्तार से चर्चा करते हुए अधिकारियों को योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने व्यापारियों से शासन द्वारा संचालित ब्याज माफी योजना-2026 का लाभ उठाने के लिए आगे आने तथा निर्धारित शर्तों के अनुसार अपने बकाया कर का निस्तारण कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह योजना व्यापारियों को बकाया कर संबंधी देनदारियों से राहत प्रदान करने का महत्वपूर्ण अवसर है। इसलिए व्यापारी योजना के प्रावधानों की जानकारी प्राप्त कर निर्धारित अवधि में आवेदन एवं आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करें। बैठक में उपायुक्त (प्रशासन) राज्य कर प्रद्युम्न कुमार गुप्ता ने योजना के प्रमुख बिंदुओं एवं प्रावधानों की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना दिनांक 31 दिसंबर, 2025 तक के बकायों पर लागू होगी। योजना के अंतर्गत बकाया मूलधन की पूर्ण धनराशि जमा करने पर निर्धारित श्रेणियों के अनुसार ब्याज एवं अर्थदंड में छूट प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि 10 लाख रुपये तक के मूल बकाया पर 100 प्रतिशत ब्याज एवं अर्थदंड की माफी, 10 लाख रुपये से एक करोड़ रुपये तक के बकाया पर 10 प्रतिशत ब्याज माफी एवं 90 प्रतिशत अर्थदंड माफी, एक करोड़ रुपये से पांच करोड़ रुपये तक के बकाया पर 25 प्रतिशत ब्याज माफी एवं 75 प्रतिशत अर्थदंड माफी तथा पांच करोड़ रुपये से अधिक के बकाया पर 50 प्रतिशत ब्याज एवं 50 प्रतिशत अर्थदंड माफी का प्रावधान किया गया है।

योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए संबंधित श्रेणी के अनुसार बकाया मूलधन की शत-प्रतिशत धनराशि जमा करना अनिवार्य होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना शासनादेश जारी होने की तिथि से तीन माह तक प्रभावी रहेगी। आवश्यकता पड़ने पर मुख्यमंत्री जी के अनुमोदन से इसकी अवधि बढ़ाई जा सकती है। यह योजना उत्तर प्रदेश में एक साथ लागू होगी तथा इसके अंतर्गत राज्य कर विभाग के विभिन्न अधिनियमों के तहत लंबित बकाया, ब्याज एवं अर्थदंड से संबंधित प्रकरणों को सम्मिलित किया गया है। बैठक में पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा, मुख्य विकास अधिकारी पी एन दीक्षित, जिला विकास अधिकारी पी एन यादव, अपर पुलिस अधीक्षक रामानंद कुशवाह, उप जिलाधिकारी सदर, क्षेत्राधिकारी पुलिस, सहायकआयुक्त राज्य कर हरिनाथ यादव, सचिन कुमार, राज्य कर अधिकारी नीरज कुमार, आशीष यादव, सुरेन्द्र कुमार वर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं व्यापारिक संगठनों की ओर से सुरेश चन्द्र अग्रवाल, देवेन्द्र मोहता, नितिन अग्रवाल, बांके बिहारी, प्रदीप बंसल, शरद अग्रवाल सहित अन्य व्यापारी प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

शातिर चोरों का अनोखा खेल! गोदाम का ताला तोड़ा, फिर खुद का ताला लगाकर करते रहे चोरी

मदिया कटरा के गोयल एंड कंपनी गोदाम में कई बार की वारदात, पांच गिरफ्तार; 18 एसी और वाशिंग मशीन बरामद

मोर्निंग सिटी संवाददाता



आगरा। शहर में चोरी की एक ऐसी वारदात का खुलासा हुआ है, जिसे सुनकर पुलिस भी आरोपियों के शातिराना तरीके को समझने में जुट गई। चोरों ने पहले गोदाम के पीछे लगे शटर का ताला तोड़ा और फिर उसी जगह अपना ताला लगा दिया। बाहर से ताला लगा देखकर किसी को चोरी का शक न हो, इसलिए वे इसी तरीके से अलग-अलग तारीखों में गोदाम का सामान पार करते रहे। मामला मदिया कटरा स्थित गोयल एंड कंपनी के इलेक्ट्रॉनिक्स गोदाम का है। थाना हरीपर्वत पुलिस ने इस वारदात में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का बड़ा माल बरामद किया है।

चोरी का ऐसा तरीका, गोदाम मालिक को भी नहीं लगी भनक!

आरोपियों ने गोदाम को निशाना बनाने के लिए बाकायदा तरीका अपनाया। पीछे के शटर का ताला तोड़कर अपना ताला लगा दिया, ताकि बाहर से गोदाम सुरक्षित दिखाई दे। इसके बाद अलग-अलग तारीखों में एसी और वाशिंग मशीन चोरी करते रहे। गोदाम मालिक को जब लगातार सामान कम होने का शक हुआ तो जांच कराई गई। पीछे के शटर पर बदला हुआ ताला देखकर चोरी की पूरी कहानी सामने आई।

चोरी का माल लेकर मथुरा भागने की थी तैयारी

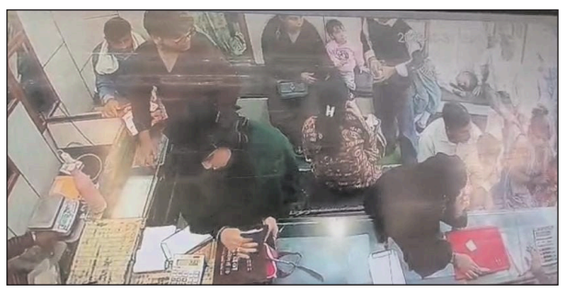
29 अक्टूबर को शिकायत मिलने के बाद हरीपर्वत पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालनी शुरू की। मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। 30/31 अक्टूबर की रात सेक्टर-6 में कबाड़ी की दुकान के पास तिराहे पर वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक लोडर को रोका। तलाशी में उसमें एसी और वाशिंग मशीन मिली। पूछताछ में लोडर सवार पांचों लोगों ने सामान चोरी का होना स्वीकार किया।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी चोरी का माल मथुरा में बेचने के लिए ले जा रहे थे।

घरों में छिपाया था चोरी का सामान

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि चोरी करने के बाद सामान अपने-अपने घरों में छिपाकर रखते थे। पर्याप्त सामान इकट्ठा होने पर उसे लोडर में भरकर ठिकाने लगाने निकले थे। लेकिन मथुरा पहुंचने से पहले ही पुलिस ने उनकी योजना पर पानी फेर दिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नौ आउटडोर और नौ इनडोर एसी यूनिट, एक वाशिंग मशीन, वारदात में इस्तेमाल लोडर, चार मोबाइल फोन और 2,440 रुपये बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विकास कुमार उर्फ राजा, शकील कुरैशी, अभिषेक रावत, अयूब उस्मानी और पंकज शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस सभी आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड और चोरी की अन्य वारदातों में संभावित संलिप्तता की जांच कर रही है। थाना हरीपर्वत पुलिस की इस कार्रवाई ने गोदामों की सुरक्षा और चोरी के शातिर तरीकों पर सवाल खड़े किए हैं। ताला तोड़कर उसी जगह दूसरा ताला लगाने की चाल से आरोपी कई बार चोरी करते रहे। हालांकि, सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर की सूचना और वाहन चेकिंग ने पूरे खेल का पर्दाफाश कर दिया।

मिनटों में लाखों की ज्वेलरी लेकर फरार, नकाबपोश महिला ने ज्वेलर्स शोरूम से पार किए 15 लाख के जेवर



मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। आगरा कैंट क्षेत्र में ज्वेलर्स शोरूम को निशाना बनाकर लाखों रुपये के जेवर चोरी करने का मामला सामने आया है। बताया गया है कि नकाब पहनकर पहुंची एक शातिर महिला ने दुकान में मौजूद लोगों को चकमा देकर करीब 15 लाख रुपये की ज्वेलरी पार कर दी और मौके से फरार हो गई। वारदात थाना सदर क्षेत्र के सुल्तानपुरा स्थित सचिन ज्वेलर्स की बताई जा रही है। महिला शोरूम पर पहुंची और शातिर अंदाज में जेवर देखने लगी। इसी दौरान उसने कथित तौर पर मौके का फायदा उठाकर लाखों रुपये के जेवर पार कर दिए। कुछ ही मिनटों में वारदात को अंजाम देकर महिला वहां से फरार हो गई। जेवर गायब होने की जानकारी होने पर शोरूम में हड़कंप मच गया। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में महिला की गतिविधियां कैद हो गई हैं।

फुटेज के आधार पर पुलिस महिला की पहचान और तलाश में जुट गई है। लाखों रुपये की ज्वेलरी चोरी की घटना से इलाके के व्यापारियों में भी चिंता बढ़ गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के साथ अन्य सुरागों के आधार पर फरार महिला तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

बाह तहसील में अधिकारियों की समय से उपस्थिति पर उठे सवाल, अधिवक्ता शिवम पचौरी का वीडियो वायरल

मोर्निंग सिटी संवाददाता



बाह, आगरा। तहसील बाह में प्रशासनिक कार्यप्रणाली और अधिकारियों की कार्यशैली को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर इन दिनों अधिवक्ता शिवम पचौरी का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने तहसील कार्यालय में अधिकारियों के निर्धारित समय पर उपस्थित न होने का आरोप लगाया है। वीडियो के सामने आने के बाद तहसील प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व तहसील बाह में विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर अधिवक्ता शिवम पचौरी ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की थी। उस समय उपजिलाधिकारी बाह द्वारा लिखित आश्वासन एवं शर्तों के आधार पर भूख हड़ताल समाप्त कराई गई थी। लेकिन अब एक बार फिर उन्हीं समस्याओं और प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। वायरल वीडियो में अधिवक्ता ने कार्यालयों में अधिकारियों की समय से अनुपस्थिति का मुद्दा उठाते हुए व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब आम जनता अपने जरूरी कामों के लिए तहसील पहुंचती है और अधिकारी निर्धारित समय पर कार्यालय में उपलब्ध नहीं होते, तो गरीब, किसान और मजदूर अपनी समस्याओं का समाधान आखिर कैसे कराएं? क्या आम नागरिकों को अपने ही कामों के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ेंगे? वहीं भूख हड़ताल समाप्त कराने के दौरान दिए गए लिखित आश्वासन के अनुपालन को लेकर भी प्रशासन की जवाबदेही तय करने की मांग उठ रही है। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन वायरल वीडियो और उठाए गए सवालों का संज्ञान लेकर तहसील बाह की कार्यप्रणाली की जांच कराता है या फिर यह मामला भी अन्य जनसमस्याओं की तरह फाइलों तक ही सीमित रह जाएगा।

जेठानी देवरानी में मारपीट, एक घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद। थाना निबोहरा क्षेत्र के ग्राम पलटूआपुरा में शनिवार मामूली बात को लेकर जेठानी और देवरानी के बीच हुई कहासुनी के बाद मारपीट हो गई, जिसमें एक घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को मेडिकल के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना निबोहरा क्षेत्र के ग्राम पलटूआपुरा निवासी पूजा देवी पत्नी सुरेंद्र ने बताया कि शनिवार दोपहर करीब बारह बजे जेठानी शांति देवी से विवाद हो गया था। आरोप है कि इस दौरान शांति देवी ने अपने पति के साथ मिलकर पूजा देवी के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दी, जिससे वह घायल हो गईं। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने डायल 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायल महिला को थाने ले आई। पुलिस ने घायल पूजा देवी को मेडिकल परीक्षण के लिए भिजवाया गया।पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

दीपावली से पहले पुलिस को हाई अलर्ट, अवैध पटाखा भंडारण पर कड़ी नजर

मोर्निंग सिटी संवाददाता





आगरा। दीपावली और आगामी पर्व-त्योहारों को देखते हुए पुलिस कमिश्नरेट आगरा ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सभी थाना प्रभारियों और अधिकारियों को सतर्क कर दिया है। पुलिस आयुक्त दीपक कुमार के निर्देशन में अपर पुलिस आयुक्त सचिन्द्र पटेल ने शनिवार को मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित कर अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था, लंबित विवेचनाओं और जनशिकायतों के समयबद्ध निस्तारण की समीक्षा की। गोष्ठी में पुलिस उपायुक्तों, अपर पुलिस उपायुक्तों, सहायक पुलिस आयुक्तों और थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि दीपावली के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अवैध पटाखा भंडारण पर रहेगी पैनी नजर

पुलिस अधिकारियों को लाइसेंसी ग्रीन पटाखा भंडारण केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए गए। अवैध पटाखों के भंडारण पर विशेष निगरानी रखने को कहा गया है। पटाखा दुकानों पर अग्निशमन उपकरण, पानी और बालू की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित कराने के साथ जरूरत पड़ने पर फायर विभाग से समन्वय कर फायर टेंडर की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए। बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पैदल गश्त बढ़ाने तथा दिन और रात में प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित करने को कहा गया। पुलिस अधिकारियों को व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों से संवाद बढ़ाकर क्षेत्र में सुरक्षा की भावना मजबूत करने के निर्देश दिए गए।

स्कूल-कॉलेजों के आसपास नशे के खिलाफ अभियान

स्कूलों और कॉलेजों के आसपास मादक पदार्थों की बिक्री और नशे से जुड़ी गतिविधियों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बीट पुलिस को मादक पदार्थों के अवैध उत्पादन की नियमित निगरानी करने को कहा गया है। आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं के मद्देनजर परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, यातायात और कानून-व्यवस्था की विशेष व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए। अपर पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों से कहा कि हर छोटी-बड़ी घटना का तत्काल संज्ञान लेकर उसका यथोचित निराकरण किया जाए। भूमि विवादों की सूचनाओं को बीट पुलिस के माध्यम से यक्ष ऐप पर अपडेट करने और अपराधियों का शत-प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। लंबित विवेचनाओं का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण करने, आरोप पत्र और अंतिम रिपोर्ट समय से न्यायालय भेजने तथा ई-समन ऐप के माध्यम से न्यायालयीय समन और नोटिस की समयबद्ध तामील सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

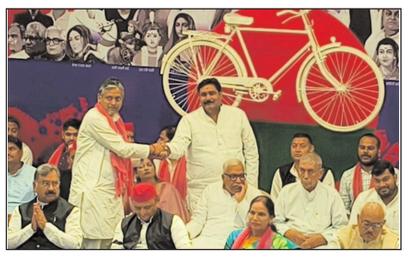
साइबर अपराधों के खिलाफ चलेगा जागरूकता अभियान

ऑनलाइन ठगी, स्टॉकिंग, ब्लैकमेलिंग, फेक आईडी, साइबर बुलिंग और डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर लगातार जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और युवाओं को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार और साइबर शिकायत के माध्यमों की जानकारी देने को कहा गया। थानों पर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की शिकायत को गंभीरता से लेने और आवश्यकता होने पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए। जीरो एफआईआर के मामलों में भी बिना देरी पंजीकरण कर कार्रवाई करने को कहा गया। अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों के साथ सम्मानजनक एवं शिष्ट व्यवहार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

महिला सुरक्षा पर विशेष फोकस

महिला हेल्पलाइन 1090, 181 और 112 के माध्यम से पीड़िताओं को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने तथा एंटी रोमियो टीमों को स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए। मिशन शक्ति केंद्रों के प्रभावी संचालन और मिशन शक्ति 6.0 के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने पर भी जोर दिया गया। पूर्व में जेल जा चुके और रिहा हुए अपराधियों की नियमित निगरानी करने को कहा गया है। हिस्ट्रीशीटरों की दिन-रात निगरानी के साथ निरोधात्मक कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए गए। चोरी, लूट, डकैती, हत्या, नकबजनी, दुष्कर्म और अन्य गंभीर अपराधों में प्रभावी कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा गया कि अपराधियों के खिलाफ कठोर कदम उठाकर आमजन में सुरक्षा और पुलिस के प्रति विश्वास मजबूत किया जाए। जुआ, सट्टा, मादक पदार्थ, अवैध हथियार और अवैध शराब के मामलों में तत्काल वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सोशल मीडिया सेल को भ्रामक और आपत्तिजनक पोस्ट पर सतर्क नजर रखते हुए त्वरित कार्रवाई करने के लिए कहा गया। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट के लक्ष्य को लेकर भी विशेष अभियान चलाने, ब्लैक स्पॉट पर सुरक्षा उपाय बढ़ाने तथा आईजीआरएस और जनसुनवाई से जुड़ी शिकायतों का निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

एमएलसी चुनाव में फतेहाबाद विधानसभा की जिम्मेदारी निभाने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष के समक्ष की गई सराहना



मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेश कुमार शर्मा ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान अखिलेश यादव ने आत्मीयता दिखाते हुए राजेश कुमार शर्मा को अपने साथ मंच पर स्थान देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित आगरा शिक्षक खंड एमएलसी डॉ. आकाश अग्रवाल से भी उनकी मुलाकात हुई। डॉ. अग्रवाल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को एमएलसी चुनाव के दौरान फतेहाबाद विधानसभा में राजेश कुमार शर्मा की भूमिका और संगठन के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी दी।एमएलसी चुनाव के दौरान पार्टी नेतृत्व ने राजेश कुमार शर्मा को फतेहाबाद विधानसभा का प्रभारी घोषित किया था। चुनाव में उनकी जिम्मेदारी, संगठनात्मक सक्रियता और पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में किए गए प्रयासों की सराहना की गई। इस दौरान अखिलेश यादव ने भी उनके प्रति स्नेह और सम्मान व्यक्त किया।राजेश कुमार शर्मा ने कहा कि समाजवादी विचारधारा के प्रति समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा ही कार्यकताओं की असली पहचान है। पार्टी नेतृत्व की ओर से मिलने वाली प्रत्येक जिम्मेदारी को सकारात्मक सोच के साथ निभाना चाहिए। नकारात्मकता को शालीनता से नकारते हुए संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम करना चाहिए। इस मौके पर अनुज प्रताप यादव, पिंकी त्यागी, अमन शेखर, आशीष शर्मा, अमर गोस्वामी सहित अन्य साथी मौजूद रहे।

खेत में काम कर रहे किसानों के उड़े होश: बाजरा की करब के बीच छिपा बैठा था 10 फीट का अजगर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद। थाना निबोहरा क्षेत्र के पंछाय गांव में खेत में बाजरा की करब उठाते समय निकला दस फीट लंबा अजगर किसानों में मचा हड़कंप सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने अजगर को रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना निबोहरा क्षेत्र की गांव पंछाय निवासी मुकेश तोमर पुत्र नाहर सिंह शनिवार दोपहर 2:00 बजे के करीब अपने खेत में बाजार की करब उठा रहे थे। इसी दौरान 10 फीट लंबा अजगर निकलने से मुकेश तोमर की चीख निकल गई। जानकारी पर बड़ी संख्या में आसपास के किसान मौके पर पहुंची और वन विभाग को सूचना दी जानकारी पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और अजगर को रेस्क्यू कर अपने साथ ले गई और जंगल में छोड़ दिया गया।



महिला आयोग की अध्यक्ष ने खंदौली में महिलाओं से किया संवाद, सीएचसी का किया औचक निरीक्षण



मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने शनिवार को खंदौली स्थित सीवी इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित शक्ति संवाद कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं से संवाद किया। उन्होंने महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने, आत्मनिर्भर बनने और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और समान अधिकारों पर जोर दिया गया। अध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए। शिक्षा और आत्मनिर्भरता के माध्यम से ही महिलाएं समाज में अपनी मजबूत पहचान बना सकती हैं। उन्होंने बालिकाओं को भी शिक्षा के प्रति जागरूक रहने और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर आवाज उठाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकताओं और आशा बहुओं के सहयोग से गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म पूरी कराई गई। वहीं छोटे बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया गया। महिला कल्याण विभाग की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इस दौरान महिलाओं को स्वास्थ्य, पोषण और सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। खंड विकास अधिकारी विजय अग्रवाल और सहायक विकास अधिकारी सुभाष कुमार झा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं उपस्थित रहीं।

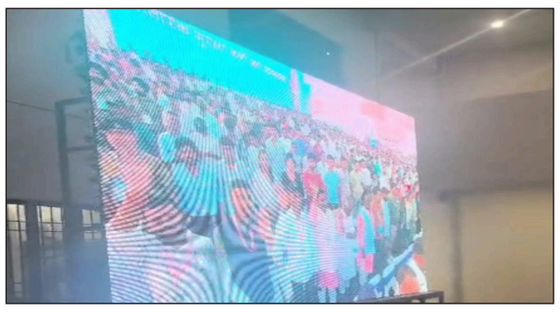
सीएचसी पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत परखी

शक्ति संवाद कार्यक्रम के बाद राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) खंदौली का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने ओपीडी, मरीजों के उपचार, दवाइयों की उपलब्धता और जांच सुविधाओं की जानकारी ली। अस्पताल में उपचार कराने आए मरीजों और उनके तीमारदारों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में फीडबैक भी लिया। अध्यक्ष ने चिकित्सकों से मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं और शासन की स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने यह भी पूछा कि मरीजों को आवश्यक दवाइयां और जांच की सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं या नहीं।

खंदौली थाने में बड़ी स्क्रीन पर देखा गया प्रधानमंत्री का लाइव संबोधन

राष्ट्रीय एकता दिवस पर पुलिसकर्मियों, समाजसेवियों और बच्चों ने एक साथ सुना प्रधानमंत्री का संदेश





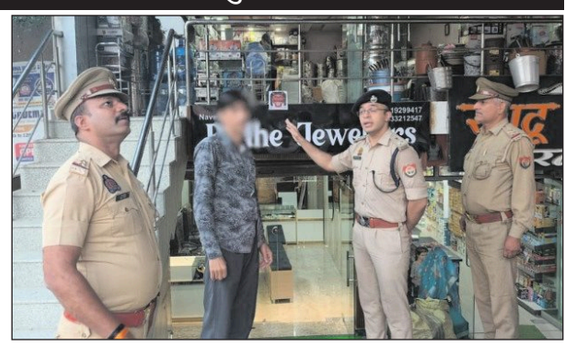
मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर खंदौली थाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लाइव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गुजरात के एकता नगर स्थित परेड ग्राउंड से प्रधानमंत्री के संबोधन का थाने में बड़ी टीवी स्क्रीन पर सीधा प्रसारण किया गया। इस दौरान थाना प्रभारी सहित थाने के समस्त पुलिसकर्मी, क्षेत्र के समाजसेवी और बच्चे एक साथ बैठकर प्रधानमंत्री का संबोधन सुनते नजर आए। सभी ने लाइव कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय एकता दिवस के महत्व पर जोर दिया गया। उपस्थित लोगों ने देश की एकता, अखंडता और आपसी भाईचारे को मजबूत बनाए रखने का संदेश सुना। खंदौली थाने में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों के साथ स्थानीय समाजसेवियों और बच्चों की सहभागिता भी देखने को मिली। सभी ने एक साथ बैठकर प्रधानमंत्री का लाइव संबोधन सुना और राष्ट्रीय एकता दिवस के कार्यक्रम का हिस्सा बने।

त्योहार पर लूट-छिनैती रोकने के लिए डीसीपी ने कसी पुलिस की कमर

दीपावली पर सुरक्षा को लेकर सड़कों पर उतरे डीसीपी, बाजारों में किया पैदल गश्त, बमरौली कटारा में सराफा दुकानों का लिया जायजा

मोर्निंग सिटी संवाददाता





आगरा। दीपावली पर्व पर शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी है। शनिवार को पुलिस उपायुक्त पूर्वी जोन अभिषेक अग्रवाल पुलिस बल के साथ बमरौली कटारा कस्बे में पैदल गश्त पर निकले। उन्होंने प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले इलाकों और संवेदनशील स्थानों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों से संवाद कर त्योहार को आपसी सौहार्द और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की।

सराफा कारोबारियों को सुरक्षा का भरोसा

पैदल गश्त के दौरान डीसीपी ने बमरौली कटारा चौराहे पर स्थित ओम ज्वैलर्स और वर्मा ज्वैलर्स का भी निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों दुकानों के संचालकों से बातचीत कर कहा कि दीपावली के दौरान किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता की आवश्यकता होने पर तत्काल थाने से संपर्क करें।

उन्होंने व्यापारियों से दुकानों और आसपास अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगवाने की अपील की, ताकि किसी अप्रिय घटना की स्थिति में फुटेज के माध्यम से आरोपितों तक पहुंचने में मदद मिल सके। डीसीपी ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को नगला सबला चौराहे तथा बमरौली कटारा चौराहे पर नियमित पैदल गश्त करने के निर्देश दिए। नवामील चौराहे और बमरौली कटारा चौराहे पर प्रभावी पुलिस पिकेट लगाने को कहा, जिससे छिनैती और लूट जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर नजर रखने के साथ नियमित चेकिंग करने के निर्देश भी दिए।

पटाखा दुकानों का किया निरीक्षण, सुरक्षा मानकों की दी जानकारी

गायत्री गोपाल गार्डन के सामने खाली खेत में प्रस्तावित आतिशबाजी की दुकानों और बिक्री स्थल का भी निरीक्षण किया गया। डीसीपी ने लाइसेंस के लिए आवेदन करने वाले लोगों से बातचीत कर सुरक्षा मानकों की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि दो दुकानों के बीच कम से कम तीन मीटर की दूरी होनी चाहिए और दुकानें आमने-सामने नहीं होनी चाहिए। दुकानों के ऊपर निर्धारित मानकों के अनुसार टीन शेड और पर्याप्त अग्निशमन उपकरणों की व्यवस्था अनिवार्य रूप से रखने के निर्देश दिए। त्योहार के दौरान बाजारों और बमरौली कटारा चौराहे पर यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के निर्देश दिए गए। पुलिसकर्मियों से कहा गया कि भीड़ के कारण जाम की स्थिति उत्पन्न न हो और आम लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना न करना पड़े।

सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल दीपावली मनाने की अपील

डीसीपी ने आमजन से दीपावली का पर्व सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से मनाने की अपील की। उन्होंने निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या आपात स्थिति की सूचना तत्काल पुलिस हेल्पलाइन 112 अथवा नजदीकी थाने को देने की बात कही। पैदल गश्त के दौरान थाना प्रभारी दीपक तिवारी, वरिष्ठ उपनिरीक्षक राजबहादुर, उपनिरीक्षक करन, कुलदीप, महिला उपनिरीक्षक अश्वनीपाल सहित पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

सरदार पटेल की जयंती पर विद्यार्थियों ने लिया राष्ट्रीय एकता का संकल्प

562 रियासतों के एकीकरण में लौह पुरुष के योगदान को किया याद



मोर्निंग सिटी संवाददाता

किरावली: विद्या भारती विद्यालय अनार देवी गोयल सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, किरावली में शनिवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन कर किया गया। प्रधानाचार्य श्याम हरि शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि सरदार पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नडियाद में एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। वह स्वतंत्र भारत के प्रथम गृहमंत्री थे। उन्होंने 562 देशी रियासतों का एकीकरण कर देश की एकता और अखंडता को मजबूत किया। उनके योगदान की स्मृति में 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। दीक्षा, अनामिका, शालिनी, बरखा, देवेंद्र, कृष्णकांत, सुबोध, कुमार रविंद्र, गंगाप्रसाद, चंद्रपाल सिंह और नरेश सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी से चूके जोकोविच



स्विस इंडोर टेनिस टूर्नामेंट : जर्मन खिलाड़ी स्ट्रफ से हारे नोवाक

बासेल

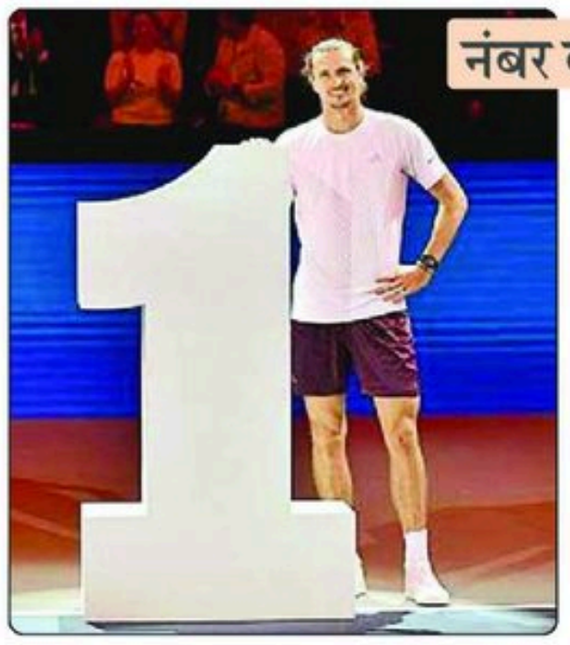
नोवाक जोकोविच ने स्विस इंडोर टेनिस टूर्नामेंट में हारने के कारण स्विट्जरलैंड के दिग्गज रोजर फेडरर के करियर के 103 खिताब की बराबरी करने का मौका गंवा दिया। जोकोविच के पास फेडरर के गृहनगर बासेल में यह उपलब्धि हासिल करने का मौका था लेकिन वह विश्व में 47वें नंबर के जर्मन खिलाड़ी जान-लेनार्ड स्ट्रफ से 6-7 (4), 7-5, 7-6 (5) से हार गए।

रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन जोकोविच ने इस महीने बीजिंग में अपना 102वां टूर खिताब जीता था। एटीपी टूर में सर्वाधिक 109 खिताब जीतने का रिकॉर्ड जिमी कॉनर्स के नाम पर है। उनके बाद फेडरर और जोकोविच का नंबर आता है।

शेल्टन नहीं जीत पाएंगे आठवां खिताब

शीर्ष वरीयता प्राप्त खेल शेल्टन भी अपना आठवां करियर खिताब नहीं जीत पाएंगे। उन्हें वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले विश्व में 222वीं रैंकिंग के स्विस खिलाड़ी जेरोम किम से 6-3, 6-7 (4), 7-6 (1) से हार का सामना करना पड़ा। किम का अगला मुकाबला जिरी लेहेका से होगा, जिन्होंने डेनियल अल्टमायर को 7-5, 6-4 से हराया। इससे पहले दूसरी वरीयता प्राप्त आर्थर फिल्स ने अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन को एक कड़े मुकाबले में 4-6, 6-3, 7-6 (5) से पराजित किया। क्वार्टरफाइनल में फिल्स का सामना एक अन्य अमेरिकी खिलाड़ी छठी वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज से होगा, जिन्होंने डेनिस शापोवालोव पर 6-4, 6-3 से आसान जीत दर्ज की।

नंबर वन ताज पर ज़्वेरेव का कब्जा



वियना

पिछले कुछ समय से बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव आखिरकार सोमवार को दुनिया के नंबर एक पुरुष टेनिस खिलाड़ी बन जाएंगे। सोमवार को जब नई टेनिस रैंकिंग जारी होगी तो 29 वर्षीय ज्वेरेव नंबर एक पर काबिज होंगे। उन्होंने एस्टैं बैंक ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर अपने लिए नंबर एक रैंकिंग सुनिश्चित की। उन्होंने टैलन ग्रीक्सपोर को 6-4, 7-5 से हराया।

शीर्ष पर होने का अहसास अद्भुत : ज्वेरेव

इस साल फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन जीतने वाले ज्वेरेव ने कहा, 'दुनिया के शीर्ष पर होने का अहसास अद्भुत है। यह किसी टूर्नामेंट या खिताब को जीतने से अलग है, लेकिन यह जानकर बहुत खास अहसास होता है कि जब नई रैंकिंग जारी होगी तो आपका नाम नंबर एक पर लिखा होगा।

सिनर की लेंगे जगह

इस टूर्नामेंट में आगे के परिणाम कुछ भी रहे ज्वेरेव यानिक सिनर की जगह रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंच जाएंगे। ज्वेरेव नंबर एक पर पहुंचने वाले 30वें पुरुष खिलाड़ी और 1974 में 30 वर्षीय जॉन न्यूकोम्ब के बाद शीर्ष पर पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होंगे। एटीपी रैंकिंग की शुरुआत इससे एक साल पहले ही हुई थी।

सीरीज पर कब्जा जमाने उतरेगी भारत 'ए' टीम

आज से न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा अनौपचारिक टेस्ट

क्राइस्टचर्च

देवदत्त पडिक्कल की शानदार फॉर्म और अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की वापसी से भारत ए को मजबूती मिली है और वह शनिवार से शुरू होने वाले दूसरे अनौपचारिक चार दिवसीय टेस्ट में न्यूजीलैंड ए को हराने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए भारतीय खिलाड़ियों को चार दिवसीय मैच से तैयार होने में मदद मिलेगी।

शानदार फार्म में पडिक्कल

पडिक्कल निस्संदेह अब तक भारत ए के लिए सबसे सकारात्मक पहलू रहे हैं, जिन्होंने पहले मैच में शतक बनाकर टीम को वापसी दिलाई थी। भारत ए की टीम पहली पारी में 39.3 ओवर में केवल 113 रन पर आउट हो गई थी। इसके बाद बाएं हाथ के प्रतिभाशाली बल्लेबाज पडिक्कल ने शानदार 199 रन बनाकर टीम को दूसरी पारी में 516 रन तक पहुंचाने में मदद की और न्यूजीलैंड ए के सामने 313 रन का लक्ष्य रखा। उन्होंने अपनी स्पिन गेंदबाजी से दो विकेट भी लिए।



तेज गेंदबाजी आक्रमण को मिलेगी मजबूती

सिराज के शामिल होने से तेज गेंदबाजी आक्रमण को और मजबूती मिलेगी क्योंकि वह आगामी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप श्रृंखला में जसप्रीत बुमराह के साथ नई गेंद संभालने के लिए पूरी तरह से तैयार होने की कोशिश करेंगे। बुमराह और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के रिटेन में होने वाले तीसरे अनौपचारिक टेस्ट में खेलने की संभावना है, जिसमें नीतीश कुमार रेड्डी की भी वापसी होगी। जहां तक न्यूजीलैंड की टीम का सवाल है तो उसने पहले दो दिन तक दबदबा बनाया लेकिन अपनी लय बरकरार नहीं रख सका। उसकी टीम अब अपने खेल में निरंतरता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध होगी।

चौथे टी20 में न्यूजीलैंड ने भारत को 87 रन से हराया

न्यूजीलैंड का सबसे बड़ा स्कोर

फिलिप्स का तूफानी शतक और डफी की घातक गेंदबाजी

ऑकलैंड

ग्लेन फिलिप्स के तूफानी शतक और तेज गेंदबाज जैकब डफी की घातक गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने 5 मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के चौथे मुकाबले में शुक्रवार को भारत को 87 रन से करारी शिकस्त दी। भारतीय टीम शुरुआती तीन मुकाबले जीतकर पहले ही श्रृंखला अपने नाम कर चुकी है। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने श्रृंखला में हार का अंतर 1-3 कर दिया। 'प्लेयर ऑफ द मैच' फिलिप्स ने 49 गेंदों में 107 रन की विस्फोटक पारी खेली, जबकि माइकल ब्रेसवेल ने महज 25 गेंदों में 65 रन बनाए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए सिर्फ 41 गेंदों में 115 रन की साझेदारी कर न्यूजीलैंड को 7 विकेट पर 259 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के खिलाफ किसी भी टीम का सर्वोच्च स्कोर है। इसके जवाब में भारतीय टीम अतिरिक्त उछाल वाली पिच पर 9 विकेट पर 172 रन ही बना सकी।



शांत रहा ईशान और सैमसन का बल्ला

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को अच्छी शुरुआत की दरकार थी, लेकिन तेज गेंदबाज डफी ने पहले ही ओवर में संजू सैमसन (चार) और ईशान किशन (शून्य) को आउट कर उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। भारत ने पहले ओवर के बाद दो विकेट पर महज चार रन बनाए थे। इस शुरुआती झटके से टीम अंत तक नहीं उबर सकी। भारत की ओर से तीसरे विकेट के लिए कप्तान श्रेयस अय्यर (22) और अभिषेक शर्मा (27) के बीच 46 रन की साझेदारी सबसे बड़ी रही। यह भारतीय बल्लेबाजी की नाकामी को बयां करने के लिए काफी थी। आमतौर पर आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले अभिषेक इस बार लय में नहीं दिखे। वह मैथ्यू फिशर की गेंद पर कवर में मिचेल सैंटनर को कैच थमा बैठे। अय्यर ने एडम मिल्ने की गेंद पर जगह बनाकर शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन 143 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आई गेंद उनके बल्ले को छकाती हुई सीधे स्टंप पर जा लगी। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी कसी हुई गेंदबाजी करते हुए 24 रन देकर दो विकेट लिए।

फिलिप्स ने बनाए 49 गेंदों में 107 रन

फिलिप्स ने 49 गेंदों में 107 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि ब्रेसवेल ने महज 25 गेंदों में 65 रन बनाए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए केवल 41 गेंदों में 115 रन की साझेदारी कर भारतीय गेंदबाजी की कलई खोल दी। टिम सीफर्ट और डेरिल मिचेल को तेज गेंदबाज मयंक यादव ने पवेलियन भेजकर न्यूजीलैंड को शुरुआती झटके दिए। इसके बाद फिलिप्स और ग्लेन फिलिप्स ने तीसरे विकेट के लिए 59 रन जोड़कर पारी को संभाला। फिलिप्स और ब्रेसवेल ने पारी का रुख बदल दिया। फिलिप्स ने प्रिंस यादव के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए एक ओवर में एक छक्का और तीन चौके लगाए। इसके बाद उन्होंने नीतीश कुमार रेड्डी को भी निशाने पर लिया।

ब्रेसवेल ने 18 गेंदों में किया अर्धशतक पूरा

ब्रेसवेल भी दूसरे छोर से भारतीय गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे। उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल के एक ओवर में लगातार तीन चौके और एक छक्का जड़ा। ब्रेसवेल ने महज 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। भारत की ओर से मयंक यादव सबसे प्रभावशाली गेंदबाज रहे। उन्होंने 140 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी कर बल्लेबाजों को परेशान किया।

3 महीने बाद मैदान में उतरने को तैयार जेमिमा



नई दिल्ली। बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने घोषणा की कि वह अगस्त में लगी चोट से पूरी तरह उबर चुकी हैं और मुकाबलों के लिए मैदान पर उतरने को तैयार हैं। जेमिमा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए चोट से उबरने के बाद खुद को पूरी तरह फिट घोषित किया। उन्होंने लिखा, 'जीवन से जुड़ा अपडेट, मुझे (हैमस्ट्रिंग) फिट घोषित कर दिया गया है। तीन महीने तक चोट से उबरने (रिहैब) के बाद अब मैं मैदान पर वापसी करने के लिए और इंतजार नहीं कर सकती।' भारतीय महिला क्रिकेट टीम का अगला दौरा दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका का होगा, जिसमें टीम कई प्रारूपों की सीरीज खेलेगी। इसके अलावा जेमिमा मौजूदा सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी में मुंबई की टीम की ओर से भी खेल सकती हैं।

खबर संक्षेप



अंडर 15 वर्ल्ड कप : भारत ने क्यूबा को हराया

बाकू। भारत ने फीफा अंडर 15 वर्ल्ड कप एंड फेस्टिवल में शुक्रवार को अपने आखिरी मैच में क्यूबा को 6-4 से हराया। भारत 189 देशों की भागीदारी वाले टूर्नामेंट में 87वें स्थान पर रहा। भारत के लिए विक्टर लालावम्पुइया, निवास मीतेई और आर लालरेमुआत्फेला ने दो-दो गोल किए। भारत ने टूर्नामेंट में लाओस, कैमरून, बहरीन, त्रिनिदाद और टोबैगो और क्यूबा को हराया जबकि सेनेगल, होंडुरास, अफगानिस्तान और कजाखस्तान से हारा। ग्रेनेडा के खिलाफ भारत का मुकाबला ड्रॉ रहा।

हांगकांग सिक्सेस : पाक से हारी टीम इंडिया

कोवलून। भारत को हांगकांग इंटरनेशनल सिक्सेस के मैच में पाकिस्तान ने 4 विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर भारत 6 ओवर में 5 विकेट पर 88 रन ही बना सका। शशांक सिंह ने 11 गेंद में 40 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान ने 3.5 ओवर में 2विकेट पर 92 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज ख्वाजा नफे और अब्बास अफरीदी ने 13 गेंद में 59 रन की साझेदारी की। अफरीदी ने पहले ही ओवर में कृणाल पंड्या को 5 छक्के लगाए। इससे पहले भारत को राहुल त्रिपाठी और नीतीश राणा अच्छी शुरुआत नहीं दे सके। कप्तान पंड्या और राहुल तेवतिया भी नाकाम रहे। पहले मैच में यूएई से हारी पाकिस्तानी टीम अब ग्रुप सी में शीर्ष पर है जबकि भारत आखिरी स्थान पर खिसक गया है।

अन्वय द्रविड़-आर्यवीर सहवाग अंडर 19 भारतीय टीम में शामिल

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज खिलाड़ियों राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग के बेटे अन्वय द्रविड़ और आर्यवीर सहवाग को अंडर-19 एशिया कप के लिए शुक्रवार को घोषित भारतीय टीम में शामिल किया गया है। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) पुरुष अंडर-19 एशिया कप का आयोजन यनडे प्रारूप में 5 से 14 नवंबर तक ओमान की राजधानी मस्कट में किया जाएगा। कर्नाटक के अन्वय और दिल्ली के आर्यवीर ने हाल ही में संपन्न वीनू मांकड़ ट्रॉफी में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित करते हुए चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा था। 17 साल के अन्वय ने इस महीने की शुरुआत में अंडर-19 प्रतियोगिता में गुजरात के खिलाफ महज 100 गेंदों पर 151 रन की विस्फोटक पारी खेली थी। उनकी इस पारी की बदौलत कर्नाटक ने 300 से अधिक रन के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया था। उन्नीस वर्षीय आर्यवीर सहवाग ने भी वीनू मांकड़ ट्रॉफी में बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने विजयनगरम में चंडीगढ़ के खिलाफ 143 गेंदों पर 173 रन की तूफानी पारी खेली थी।



लक्ष्य रायचंदानी को भारतीय टीम की कप्तानी

लक्ष्य रायचंदानी को भारतीय टीम की कप्तानी सौंपी गई है तो वहीं यशवर्धन सिंह चौहान उपकप्तान होंगे। भारत को ग्रुप-ए में पाकिस्तान, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ रखा गया है। ग्रुप-बी में बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान और मलेशिया की टीमें शामिल हैं। दोनों ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी।

एमआई के बल्लेबाजी कोच बने उथप्पा

नई दिल्ली। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2027 के सत्र से पहले शुक्रवार को अपने कोचिंग स्टाफ में व्यापक फेरबदल करते हुए पूर्व भारतीय बल्लेबाज रोबिन उथप्पा को अपना बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया। उथप्पा के अलावा न्यूजीलैंड के मिशेल मैक्लेनाहन को गेंदबाजी कोच, जबकि पूर्व भारतीय क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप को इसी भूमिका में नियुक्त किया गया है। फ्रेंचाइजी ने धवल कुलकर्णी को विकास गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। इस तरह से उथप्पा, मैक्लेनाहन और कुलकर्णी की मुंबई इंडियंस की टीम में वापसी हो रही है, जो पहले खिलाड़ी के तौर पर इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा रह चुके हैं। यह तीनों नवनियुक्त मुख्य कोच कीरोन पोलार्ड के साथ मिलकर नए कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बनेंगे। उथप्पा 2007 में पुरुष टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। यह 40 वर्षीय खिलाड़ी आईपीएल के पहले सत्र में मुंबई इंडियंस की तरफ से खेला था।



पैन पैसिफिक ओपन

गर्दन की चोट के कारण हटीं एलेना रिबाकिना

सेमीफाइनल में पहुंचीं लेयला फर्नांडीज



टोकियो

दुनिया की नंबर 1 एलेना रिबाकिना का पैन पैसिफिक ओपन में अभियान शुक्रवार को समय से पहले समाप्त हो गया। कजाकिस्तान की इस खिलाड़ी ने गर्दन की चोट के कारण डब्ल्यूटीए 500 टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। इस वजह से कनाडा की लेयला फर्नांडीज सेमीफाइनल में पहुंच गईं। रिबाकिना ने गर्दन में सूजन और दर्द को नाम वापस लेने का कारण बताया। उन्होंने कहा कि इस समस्या ने उनके बेस्ट परफॉर्म करने की क्षमता पर असर डाला था। रिबाकिना ने कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मुझे अपने अगले मैच से हटना पड़ा है। बदकिस्मती से, मेरी गर्दन में सूजन और दर्द हो रहा है, जिससे मैं अपना बेस्ट नहीं दे पा रही हूं।

यह बहुत मुश्किल फैसला है, क्योंकि मुझे यहां खेलना पसंद है और मैं हमेशा फैंस के जबरदस्त सपोर्ट की तारीफ करती हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं अगले साल फिर वापस आऊंगी। आप सभी की समझदारी और समर्थन के लिए धन्यवाद।

जमीनी स्तर पर क्रिकेट का वैश्विक उत्सव, जुड़े 10 लाख खिलाड़ी

1 नवंबर को मनाया जाएगा पहला 'क्रिओ डे'

एजेंसी ▸▸ दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने जमीनी स्तर पर क्रिकेट के वैश्विक उत्सव 'क्रिओ डे' की शुरुआत की घोषणा की, जो 1 नवंबर को आयोजित होगा। यह पहल दुनिया भर में इस कार्यक्रम से जुड़ने वाले खिलाड़ियों की संख्या 10 लाख पहुंचने की उपलब्धि के मौके पर शुरू की गई है। 'क्रियो' कार्यक्रम ने 2021 में शुरुआत के बाद से दुनिया के विभिन्न हिस्सों में क्रिकेट के खेल को पहुंचाने में मदद की है। नए दर्शकों और खिलाड़ियों को क्रिकेट से परिचित कराने के उद्देश्य से तैयार किया गया 'क्रिओ' कार्यक्रम 18 भाषाओं में मुफ्त और आसानी से अपनाए जा सकने वाले पाठ्यक्रम के माध्यम से संचालित होता है। यह आईसीसी का शुरुआती स्तर का और दुनिया भर में सभी के लिए सुलभ क्रिकेट कार्यक्रम है।



क्रिकेट 'कभी भी, कहीं भी'

आईसीसी के अनुसार यह कार्यक्रम इस सिद्धांत पर आधारित है कि क्रिकेट 'कभी भी, कहीं भी और कोई भी खेल सकता है'। वर्ष 2021 से 'क्रिओ' ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समुदाय को एकजुट करके इस खेल के विकास में योगदान दिया है। इस वैश्विक अभियान से जुड़ने वाली 10 लाखवीं खिलाड़ी नाइजीरिया की 13 वर्षीय सैदत हमजात बनी हैं। यह कार्यक्रम दुनिया के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंच चुका है। आईसीसी के 65 एसोसिएट सदस्य देशों ने अपने राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम शुरू किए हैं। वहीं, आईसीसी के सभी 12 पूर्ण सदस्य देशों में प्रमाणित 'क्रिओ' प्रशिक्षक मौजूद हैं।

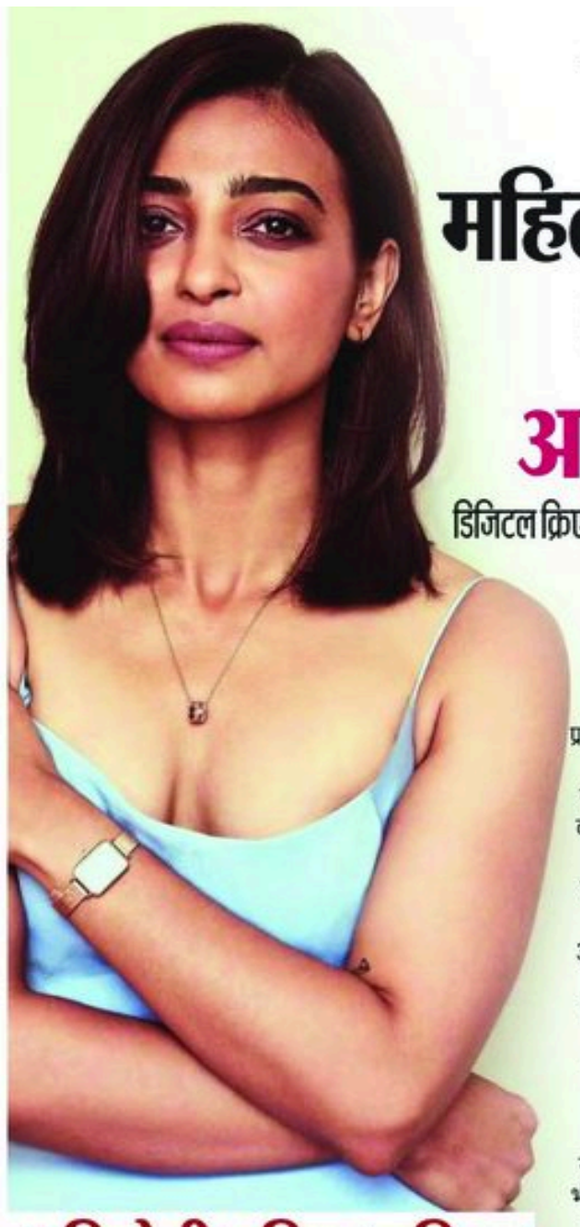


फिल्म ओम में दमदार पुलिस अफसर के किरदार में नजर आएंगी अभिनेत्री साई पल्लवी

भारतीय सिनेमा के जाने-माने निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की आगामी बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म ओम को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्सुकता बनी हुई है। इस फिल्म में तमिल सिनेमा के सुपरस्टार धनुष और मलयालम सिनेमा के महानायक ममूटी मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। इसी बीच निर्माताओं ने फिल्म की प्रमुख अभिनेत्री साई पल्लवी के किरदार से पर्दा हटाकर प्रशंसकों के उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया है। साई पल्लवी इस फिल्म में नित्या रेड्डी नाम की एक जांबाज और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाती हुई दिखाई देंगी। इस घोषणा के बाद से ही साई पल्लवी के नए और सख्त अवतार को देखने के लिए दर्शकों की बेताबी साफ नजर आ रही है। दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह की मौजूदगी भी इस प्रोजेक्ट को और अधिक भव्य और प्रासंगिक बनाती है। फिल्म के शीर्षक के साथ चैप्टर 1 जोड़ा गया है, जो इस बात का स्पष्ट संकेत देता है कि यह एक बहुस्तरीय कहानी है और भविष्य में इसका सीक्वल भी दर्शकों के सामने आ सकता है। कुछ समय पहले जारी किए गए झलक वीडियो (टीजर) से यह साफ हुआ था कि फिल्म की मुख्य कहानी जंगलों में अवैध रूप से लाल चंदन की कटाई करने वाले मजदूरों और उनके संघर्षपूर्ण जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में धनुष एक लकड़हारे की भूमिका निभा रहे हैं। कहानी में मुख्य मोड़ तब आता है जब पुलिस अधिकारी अवैध कटाई में शामिल मजदूरों को हथियार के बल पर बंदी बना लेते हैं और धनुष उनके रक्षक बनकर सामने आते हैं। फिल्म की रिलीज डेट को लेकर भी मेकर्स ने काफी सूझबूझ से निर्णय लिया है। पहले इस फिल्म को अक्टूबर महीने में प्रदर्शित करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन अभिनेता धनुष ने सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए अपनी फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ा दिया। इसके साथ ही, दिवाली के अवसर पर अन्य बड़ी फिल्मों के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए किसी भी तरह के व्यावसायिक टकराव से बचने के लिए निर्माताओं ने 20 नवंबर की तिथि को अंतिम रूप दिया है। धनुष और ममूटी जैसे दो विशाल अभिनेताओं का पहली बार एक साथ किसी प्रोजेक्ट में काम करना इस फिल्म को इस साल की सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित फिल्मों की सूची में शामिल करता है।

लिटिल थॉमस को लेकर सुर्खियों में रसिका

अभिनेत्री रसिका दुग्गल इन दिनों अपनी नई फिल्म लिटिल थॉमस को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म के संदर्भ में बात करते हुए उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक दौर में भले ही तकनीक के सहारे बड़े बजट और भव्य सेट वाली फिल्में बन रही हों, लेकिन आम जिंदगी से जुड़ी सीधी और सरल कहानियों की अपनी एक अलग अहमियत होती है। फिल्म की कहानी एक छोटे बच्चे थॉमस की बाल सुलभ जिज्ञासा और उसकी मासूमियत के इर्द-गिर्द घूमती है। वह जानना चाहता है कि बच्चे कहां से आते हैं और अपने लिए एक भाई या बहन की चाहत रखता है। रसिका दुग्गल के अनुसार, बच्चों के सवालों और उनकी उत्सुकता को कभी कम नहीं आंकना चाहिए। दुनिया को बच्चों के नजरिए से देखना एक बेहद खूबसूरत अनुभव है। इस फिल्म में बचपन, पारिवारिक रिश्तों और वैवाहिक जीवन के उतार-चढ़ाव को सहज ढंग से दर्शाया गया है।



फिल्म सेट पर महिलाओं के मतभेद की धारणा को राधिका आप्टे ने बताया गलत

डिजिटल क्रिएटर से लेकर बॉलीवुड तक अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया

बॉलीवुड की बहुमुखी अभिनेत्री राधिका आप्टे जल्द ही आगामी डिजिटल वेब सीरीज अक्का में नजर आने वाली हैं। इस सीरीज में उनके साथ दक्षिण भारतीय सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री कीर्ति सुरेश भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। हाल ही में इस सीरीज के प्रचार के सिलसिले में बात करते हुए राधिका आप्टे ने फिल्म सेट पर महिला कलाकारों के आपसी संबंधों को लेकर वर्षों से चली आ रही रूढ़िवादी धारणाओं पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने उस प्रचलित सोच को पूरी तरह से खारिज कर दिया, जिसमें यह दावा किया जाता है कि जब दो महिला कलाकार किसी प्रोजेक्ट में एक साथ काम करती हैं, तो उनके बीच अक्सर अनबन, मनमुटाव या झगड़े होते हैं। राधिका आप्टे का मानना है कि किसी भी कार्यस्थल का माहौल किसी व्यक्ति के लिंग से तय नहीं होता, बल्कि यह लोगों के आपसी तालमेल और व्यवहार पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि यह एक बेहद पुरानी और आधारहीन सोच है कि महिलाएं आपस में तालमेल नहीं बैठा पातीं। अपने अनुभव के आधार पर उन्होंने कहा कि कई बार पुरुषों में महिलाओं की तुलना में अधिक असुरक्षा की भावना देखी जाती है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह मुद्दा पुरुष या महिला होने का नहीं है, बल्कि यह विशुद्ध रूप से व्यक्तिगत संबंधों और आपसी समझ का विषय है। किसी भी क्षेत्र में आप कुछ लोगों के साथ बहुत सहज महसूस करते हैं और आसानी से घुल-मिल जाते हैं, जबकि कुछ लोगों के साथ आपका मानसिक तालमेल नहीं बैठ पाता। वेब सीरीज अक्का के शूटिंग सेट का अनुभव साझा करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि वहां का माहौल अत्यंत सकारात्मक और उत्साहवर्धक था। सेट पर कैमरे के सामने काम करने वाली स्टारकास्ट और कैमरे के पीछे काम करने वाली तकनीकी टीम में महिलाओं और पुरुषों की लगभग समान भागीदारी थी। उन्होंने कहा कि सेट पर एक बहुत ही खूबसूरत सिस्टरहुड यानी बहनों जैसा माहौल था, जिसने पूरी शूटिंग प्रक्रिया को बहुत सहज और आनंददायक बना दिया। इसके साथ ही राधिका आप्टे ने यह भी रेखांकित किया कि काम के सिलसिले में किसी के साथ अच्छा तालमेल होने का अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि आप उनके बहुत गहरे मित्र बन जाएं। बिना करीबी दोस्त बने भी एक पेशेवर और गरिमापूर्ण माहौल में बेहतरीन काम किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि वेब सीरीज अक्का एक थ्रिलर गैंगस्टर ड्रामा है, जिसमें महिलाओं को मुख्यधारा में दिखाया गया है। इस सीरीज का निर्देशन धर्मराज शेट्टी ने किया है, जो इस शो के लेखक भी हैं। यह कहानी 1980 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित एक काल्पनिक दुनिया को दर्शाती है, जिसे पीढ़ियों से महिलाओं ने ही बनाया, चलाया और संरक्षित रखा है। यह बहुप्रतीक्षित सीरीज 30 अक्टूबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है।

अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने एक महत्वपूर्ण संदेश किया साझा

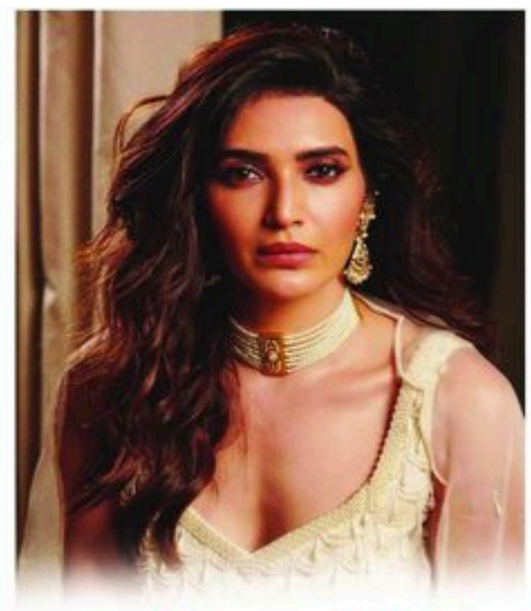
विभिन्न लोकप्रिय धारावाहिकों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने वाली अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने देश में सामाजिक सौहार्द, शांति और धार्मिक एकता बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश साझा किया है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने-अपने धर्म से सच्चा प्रेम करें, लेकिन साथ ही दूसरों के धार्मिक अकीदों और आस्थाओं का भी पूरा सम्मान करें। अपने बयान में अभिनेत्री ने हाल ही में देश के विभिन्न हिस्सों में हुए विरोध-प्रदर्शनों और आंदोलनों के कारण अर्थव्यवस्था पर पड़े प्रतिकूल प्रभावों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने आंकड़े साझा करते हुए बताया कि त्योहारों के व्यस्त सीजन के दौरान ऐसे प्रदर्शनों के कारण व्यापारिक गतिविधियों को लगभग 3000 करोड़ रुपये का भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है, जो एक विकासशील देश के लिए काफी चिंताजनक है। पवित्रा पुनिया ने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि कई लोग बुनियादी तथ्यों को समझे बिना ऐसी आर्थिक समस्याओं और आंकड़ों का सोशल मीडिया पर मजाक उड़ाते हैं। उन्होंने देश की जमीनी हकीकत पर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि जब कोई आम नागरिक दो वक्त की रोटी के लिए कड़ा संघर्ष कर रहा हो, तब इस तरह के गतिरोध देश के हित में नहीं हो सकते। उन्होंने युवा पीढ़ी (जेन जी) का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर सक्रिय कुछ प्रभावकारियों (इन्फ्लुएंसर्स) द्वारा फैलाई जा रही मनगढ़ंत बातों और भ्रामक जानकारियों से युवाओं को बचना चाहिए। युवाओं में अपार क्षमता और ज्ञान है, इसलिए उन्हें किसी के बहकावे में आकर अपनी सोच को दूषित नहीं करना चाहिए। एक सनातनी हिंदू होने पर गर्व व्यक्त करते हुए पवित्रा ने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी भी अन्य समुदाय या धर्म के लोगों से कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने भारत के सामाजिक ताने-बाने को याद दिलाते हुए कहा कि बांटो और राज करो की विभाजनकारी सोच कुछ स्वार्थी तत्वों की देन है, जो देश की मूल भावना के विपरीत है। अपने व्यक्तिगत जीवन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उनके आसपास कई मुस्लिम परिवार रहते हैं और सभी लोग आपस में प्रेम, भाईचारे और शांति के साथ मिलकर रहते हैं। भारत की असली ताकत उसकी सांस्कृतिक विविधता और एकता का अनूठा बंधन है, जिसे हर कीमत पर सुरक्षित और अक्षुण्ण रखा जाना चाहिए।



इंडो-रशियन फिल्म से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कदम रखेंगी सैयामी खेर, भाषा की सीमाओं से परे जा किया काम



अभिनेत्री सैयामी खेर जल्द ही एक इंडो-रशियन ड्रामा फिल्म के जरिए अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में अपना पदार्पण करने जा रही हैं। इस अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट के अपने अनुभवों को साझा करते हुए सैयामी ने बताया कि एक विदेशी क्रू के साथ मॉस्को में शूटिंग करना उनके लिए बेहद नया और रोमांचक अनुभव था। उन्होंने कहा कि अलग-अलग देशों और संस्कृतियों के लोगों के साथ काम करने से कहानी को देखने और समझने का एक नया वैश्विक नजरिया मिलता है। सैयामी खेर के अनुसार भाषा और देश की सीमाओं से परे जाकर काम करना किसी भी कलाकार के लिए सीखने का बहुत बड़ा अवसर होता है। हालांकि उन्होंने फिल्म की विस्तृत कहानी का खुलासा नहीं किया, लेकिन बताया कि यह एक मजबूत महिला चरित्र पर आधारित गहन ड्रामा फिल्म होगी। इस फिल्म का निर्देशन रूसी निर्देशक मैक्सिम कुजनेत्सोव कर रहे हैं। सैयामी इससे पहले निर्देशक प्रियदर्शन की बहुचर्चित क्राइम थ्रिलर फिल्म हैवान में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार और सैफ अली खान मुख्य भूमिकाओं में थे।



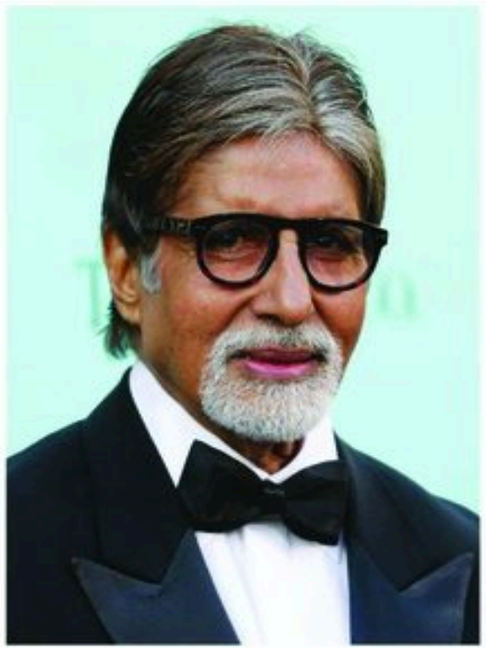
मां बनने के बाद शरीर में आए बदलावों और मानसिक संघर्ष पर करिश्मा तन्ना का छलका दर्द

हाल ही में मातृपद प्राप्त करने वाली मशहूर अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने प्रसव के बाद महिलाओं के शरीर में होने वाले प्राकृतिक बदलावों और उससे जुड़ी मानसिक चुनौतियों पर बेहद संवेदनशीलता के साथ अपनी बात रखी है। उन्होंने स्वीकार किया है कि एक नन्हें शिशु को जन्म देने के बाद अपने बदले हुए शरीर को स्वीकार करना और उसके साथ सामंजस्य बिठाना कभी-कभी काफी कठिन और थकाऊ साबित होता है। अभिनेत्री ने अपने दिल के उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि कई बार उन्हें गर्भावस्था से पहले वाले अपने सुगठित शरीर की बेहद याद आती है। जब भी वह आईने के सामने खड़ी होती हैं, तो पेट का ढीलापन, त्वचा में आई शिथिलता और शारीरिक आकार में आए बदलाव उन्हें स्पष्ट नजर आते हैं। कपड़े खरीदने या तैयार होने की इच्छा भी ऐसे समय में अक्सर खत्म हो जाती है, जो किसी भी नई मां के लिए मानसिक रूप से काफी भारी पड़ सकता है। हालांकि, करिश्मा ने इस बात पर भी जोर दिया कि ऐसी स्थितियों में खुद के प्रति कठोर होने के बजाय दयालुता का भाव रखना बेहद आवश्यक है। उन्होंने खुद को यह याद दिलाया कि उनके शरीर ने एक नए जीवन को जन्म दिया है और उसके विकास के लिए नौ महीनों तक सुरक्षित माहौल प्रदान किया है। शिशु के जन्म को अभी केवल ढाई महीने का समय ही बीता है, ऐसे में इतनी जल्दी पुरानी शारीरिक संरचना को वापस पाने की उम्मीद लगाना बेमानी है। करिश्मा का मानना है कि एक महिला एक ही समय में मां बनने के सुखद अनुभव के प्रति आभारी भी हो सकती है और साथ ही अपने पुराने स्वरूप को खोने का दर्द भी महसूस कर सकती है। यह दोनों भावनाएं बिल्कुल स्वाभाविक हैं और इन्हें स्वीकार किया जाना चाहिए। अभिनेत्री ने जोर देकर कहा कि जिस कोमलता और प्रेम की हकदार मांएं अपने बच्चों को मानती हैं, वही कोमलता उन्हें खुद अपने प्रति भी दिखानी चाहिए। वे अब अपनी शारीरिक बनावट की आलोचना करने के बजाय अपने शरीर को ठीक होने, मजबूत बनने और पुनः सहज महसूस करने का पूरा समय दे रही हैं। उन्होंने अन्य सभी माताओं को सांत्वना देते हुए कहा कि वे इस मानसिक और शारीरिक सफर में बिल्कुल अकेली नहीं हैं। गौरतलब है कि करिश्मा तन्ना और उनके पति वरुण बंगेरा ने इस वर्ष अप्रैल में अपने पहले बच्चे के आगमन की खुशखबरी साझा की थी, जिसके बाद जुलाई में उनके घर एक सुंदर बेटे का जन्म हुआ।

परिणीति के समर्थन में उतरीं जेनिफर

वेब सीरीज शक : ट्रस्ट नो वन की सफलता के उपलक्ष्य में आयोजित एक पार्टी के दौरान का वीडियो इंटरनेट पर वायरल होने के बाद अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा को सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। वायरल वीडियो में ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे परिणीति ने अपनी सह-कलाकार जेनिफर विंगेट को फोटो क्लिक कराने के दौरान नजरअंदाज किया। अब इस विवाद पर खुद जेनिफर विंगेट ने चुप्पी तोड़ी है और परिणीति चोपड़ा का समर्थन करते हुए सभी तरह की अफवाहों और ट्रोलिंग को खारिज कर दिया है। जेनिफर विंगेट ने स्पष्ट किया कि उनके और परिणीति के बीच किसी भी प्रकार की अनबन नहीं है। उन्होंने बताया कि पार्टी के दौरान मंच पर जगह की कमी थी, जिसके कारण वे स्वयं पीछे हट गई थीं। परिणीति हमेशा उनके प्रति बहुत ही दयालु और सम्मानजनक रही हैं। जेनिफर ने लोगों से अपील की कि वे इस साधारण सी बात को गलत रूप देकर नकारात्मकता न फैलाएं।





अमिताभ बच्चन ने पारंपरिक अंधविश्वासों पर उठाए सवाल कहा- आधुनिक पीढ़ी मानती है केवल वैज्ञानिक तर्क

भारतीय सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन अक्सर अपने विचारों और अनुभवों को अपने व्यक्तिगत ब्लॉग के माध्यम से प्रशंसकों के साथ साझा करते रहते हैं। अपने एक हालिया ब्लॉग पोस्ट में अमिताभ बच्चन ने समाज में गहराई से रची-बसी पुरानी परंपराओं, मान्यताओं और अंधविश्वासों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकांश लोग बिना किसी तर्क या अर्थ को समझे केवल पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही प्रथाओं का पालन करते आ रहे हैं। अपने इस लेखन में उन्होंने इस बात पर गहराई से प्रकाश डाला कि किस प्रकार समय बीतने के साथ इंसान की व्यक्तिगत इच्छाएं, सोच और जीवन को देखने का नजरिया पूरी तरह से बदल जाता है।

ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने लिखा कि इंसान के जीवन में एक ऐसा पड़ाव भी आता है जब वह उन सभी चीजों को दोबारा करना चाहता है, जिनसे उसे अतीत में रोका गया था। उन्होंने जीवन के बदलते चक्र का वर्णन करते हुए कहा कि एक समय में इंसान पूरी तरह से बेफिक्र होता है और फिर जीवन के उत्तरार्ध में वह दोबारा उसी बेफिक्री को पाना चाहता है। इंसान का दिमाग कई बार अजीब तरह से निर्णय लेता है, लेकिन यह प्रक्रिया इंसान को एक अलग प्रकार का मानसिक सुकून भी प्रदान करती है। परंपराओं पर सवाल उठाते हुए उन्होंने शनिवार को नाखून न काटने जैसी मान्यताओं का उदाहरण दिया। उन्होंने लिखा कि शनिवार को नाखून न काटने को अशुभ माना जाता है और यह प्रथा केवल अज्ञात डर के कारण आज भी समाज में अपनी जगह बनाए हुए है।

इसके साथ ही उन्होंने रत्नों से जुड़े अंधविश्वासों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने लिखा कि लोग कहते हैं कि हरा पत्थर मत पहनो, बल्कि उसकी जगह एक हरे रंग की शॉल अपने पास रख लो। इस पर सवाल उठाते हुए अमिताभ बच्चन ने पूछा कि उस निर्दोष पत्थर ने किसी का क्या बिगाड़ा है और पास में रखी हरी शॉल किसी व्यक्ति के लिए किस प्रकार लाभदायक साबित हो सकती है। इन खोखले तर्कों पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि डर के कारण लोग आज्ञाकारी बनकर इन प्रथाओं को स्वीकार करते रहते हैं। हालांकि, महानायक ने यह भी स्वीकार किया कि आज की आधुनिक पीढ़ी अंधविश्वासों को आंख मूंदकर स्वीकार नहीं करती है। वर्तमान पीढ़ी किसी भी प्रथा को अपनाने से पहले उसके पीछे के वैज्ञानिक, शारीरिक और मानसिक कारणों को समझती है। आज के युवा केवल उन्हीं परंपराओं और जीवनशैली को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाते हैं, जिनसे उनके स्वास्थ्य, मानसिक शांति और जीवन की गुणवत्ता में वास्तविक सुधार हो सके।

स्वामी- सुशील कुमार सिंह, मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक- सुशील कुमार सिंह (मोबाइल न. 8077588101), एन 30, ऑफसेट रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा, गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश से छपवाकर हाउस नं. 52 ग्रीनवुड-2 सेक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित। (RNI No. UPHIN/2015/60949) (समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र गौतमबुद्धनगर होगा) प्रकाशित सामग्री या विज्ञापन में संपादक / प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्यवाही या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की सकती है। ई-मेल-noida.morningcity@gmail.com।